जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 230 प्रभात अजमेर, सोमवार 30 मार्च, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सऊदी अरब एयरबेस पर हमला, अमेरिकी वायुसेना का अत्याधुनिक विमान नष्ट

ईरान ने इस हमले में 6 बैलिस्टिक मिसाइल व 29 हथियारों से लैस ड्रोन का उपयोग किया

तेहरान, 29 मार्च। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच जारी युद्ध अब पांचवें सप्ताह में पहुंच गया है। रविवार को सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर ईरान की तरफ से किए गए मिसाइल और ड्रोन के बड़े हमले में अमेरिकी वायुसेना का अत्याधुनिक ई-3 ए.डब्ल्यु.एसी.एस. जासूसी विमान अवॉक्स पूरी तरह नष्ट हो गया। आईआरजीसी ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि उसने अमेरिका के ईंधन भरने और हवाई सहायता बेड़े को निशाना बनाया, जिसमें कई बड़े सैन्य विमान नष्ट या क्षतिग्रस्त हुए। ईरान की अर्ध सरकारी समाचार संस्था तसनीम न्यूज एजेंसी ने इस्लामिक रिवोल्यूशन गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के हवाले से यह जानकारी दी।

विश्लेषण में सामने आया है कि हमला बेहद सटीक था और विमान

- **विशेषज्ञों के अनुसार, हमला बेहद सटीक था और विमान के सबसे अहम हिस्से, रडार को निशाना बनाया गया। यह भाग विमान की मुख्य ऑपरेशनल क्षमता का केन्द्र है।**

के सबसे अहम हिस्से रडार डोम को निशाना बनाया गया। यह वही भाग होता है जिसमें एएन/एपीवाई-2 सर्विलांस रडार सिस्टम लगा होता है, जो विमान की मुख्य ऑपरेशनल क्षमता का केंद्र है।

तस्वीरों में विमान के पिछले हिस्से में भारी संरचनात्मक क्षति देखी गई है। यह विमान हाल ही में 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत इस बेस पर तैनात किया गया था और अमेरिकी वायुसेना की 552वीं एयर कंट्रोल विंग का हिस्सा था। इस घटना के बाद अमेरिकी -3 बेड़े में विमानों की संख्या 16 से घटकर 15 रह गई है।

अन्य मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, हमले में छह बैलिस्टिक मिसाइलों और 29 हथियारों से लैस ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

इस हमले में कम से कम 15 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।

आईआरजीसी ने आगे कहा कि जिस विमान को निशाना बनाया गया वह पूरी तरह से नष्ट हो गया और पास में खड़े अन्य विमानों को भी काफी नुकसान पहुंचा।

हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने अभी तक हमले के पूरे विवरण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है लेकिन रिपोर्ट्र्स के अनुसार, ई-3जी सेंट्री अवाक्स विमान अमेरिकी वायु सेना का एक महत्वपूर्ण हवाई चेतावनी और युद्ध प्रबंधन प्लेटफॉर्म है, जो 250 मील से अधिक दूरी तक निगरानी करने में सक्षम होता है। इसके नष्ट होने से क्षेत्र में अमेरिकी हवाई निगरानी और कमान क्षमता पर बड़ा असर पड़ सकता है।

अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर संयुक्त रुप से 28 फरवरी को हमला किया था जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के साथ ही कई वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और नागरिकों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में, ईरान ने कार्रवाई करते हुए खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी और इजरायली ठिकानों को मिसाइलों और ड्रोन की लहरों से निशाना बनाया, जिससे व्यापक क्षित पहुंची है।

अमेरिका के साढ़े तीन हजार मरीन मध्य पूर्व पहुँचे

वाशिंगटन, 29 मार्च। अमेरिका के 3500 अतिरिक्त सैनिक मध्य पूर्व पहुंच चुके हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार इन सैनिकों को यूएसएस ट्रिपली जहाज से भेजा गया है। सभी सैनिक 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट का हिस्सा हैं। उनके साथ बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान और हथियार भी भेजे गए हैं। अमेरिका ने ईरान पर जमीनी सैन्य अभियान शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है।

चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक यूएस सेंट्रल कमांड

- **माना जा रहा है कि अमेरिका का यह कदम जमीनी सैन्य अभियान की तैयारी का हिस्सा है।**

ने शनिवार को घोषणा की कि 3,500 मरीन और नाविकों का टास्क फोर्स शुक्रवार को मध्य पूर्व पहुंच गया है। कमांड ने एक्स पर संक्षिप्त पोस्ट में कहा, "यूएसएस त्रिपोली (एलएचए 7) पर सवार यूएस नाविक और मरीन 27 मार्च को कमांड के जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में पहुंच गए।" पोस्ट में बताया गया कि इन सैनिकों के पास परिवहन, स्ट्राइक फाइटर विमान और एम्फीबियस असॉल्ट व टैक्टिकल संसाधन भी मौजूद हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका ने विदेशी प्रोफेशनल्स के न्यूनतम वेतन में भारी वृद्धि की

इससे विदेशी प्रोफेश्नल्स को अमेरिका में नौकरी देना कंपनियों के लिए महंगा हो जाएगा तथा शायद अमेरिकी नागरिकों को ये नौकरियाँ मिल जाए

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मार्च। ट्रम्प प्रशासन का एच-1 वीज़ा नियमों को कड़ा करने का नया कदम, जिसमें न्यूनतम वेतन सीमा में भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव है, अमेरिका की उच्च कौशल वाले प्रवासियों के प्रति नीति में बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव दर्शाता है। "सस्ते विदेशी श्रम" के उपयोग पर रोक लगाने और अमेरिकी कर्मचारियों को प्राथमिकता देने के प्रयास के रूप में पेश किए गए इस प्रस्ताव के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं, खासकर उन भारतीय पेशेवरों के लिए जो एच-1 बी व्यवस्था में बड़ी संख्या में शामिल हैं।

इस प्रस्ताव का मुख्य बिंदु यह है कि नियोक्ताओं (एम्पलॉयर्स) को एच-1बी वीज़ा धारकों को दिए जाने वाले वेतन में बड़ी बढ़ोतरी करनी होगी। वेतन की न्यूनतम सीमा बढ़ाकर सरकार कंपनियों के लिए विदेशी कर्मचारियों को रखने को महंगा बनाना चाहती है, ताकि वे घरेलू कर्मचारियों को

- **इस नई नीति का सबसे ज्यादा असर भारतीय मूल के इंजीनियर, आई.टी. वर्कर्स पर पड़ेगा, क्योंकि एच-1बी वीज़ा के मार्फत अमेरिका में लगभग 2.8 लाख भारतीय काम कर रहे हैं। पर, अब भारतीय इंजीनियर्स आदि का अमेरिका में काम करने का रास्ता और सकड़ा हो जाएगा।**
- **इसका भारत को एक लाभ तो है कि अब ये प्रोफेशनल्स, भारत लौटने को मजबूर हो जाएंगे तथा भारत के लोकल "टैलेंन्ट पूल" को मजबूती मिलेगी तथा स्टार्टअप, वित्तीय टैक्नॉलजी व डिजिटल सर्विसेज़ सैक्टर को लाभ पहुँचेगा।**
- **पर, दूसरी ओर एक तत्कालिक नुकसान भी है। भारतीय प्रोफेशनल्स द्वारा, भारत को भेजे जा रहे "रैमिटैंस" (वेतन आदि) में काफी कमी आएगी, क्योंकि नौकरी जाने के बाद काफी भारतीय प्रोफेशनल्स भारत लौटने को होंगे।**

प्राथमिकता दें। सिद्धांत रूप में यह ट्रम्प काल की संरक्षणवादी नीतियों के अनुरूप है। हालांकि, व्यवहार में यह कदम उस संतुलित वैश्विक प्रतिभा व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूएई व बहरीन में दो बड़ी फैक्ट्रियों को ईरान ने निशाना बनाया

ये दोनों फैक्ट्री अमेरिकी सैन्य व एयरोस्पेस उद्योग के लिए महत्वपूर्ण उत्पादन करती थीं

तेहरान, 29 मार्च। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने फारस की खाड़ी स्थित संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन में अमेरिकी सैन्य और एयरोस्पेस उद्योगों से जुड़ी दो औद्योगिक फैक्ट्रियों को निशाना बनाया।

- **यूएई की ईमाल फैक्ट्री विश्व की सबसे बड़ी एल्युमीनियम उत्पादन लाइन है तथा बहरीन की अल्बा फैक्ट्री में अमेरिकी कंपनियों का निवेश व हिस्सेदारी भी है।**

आईआरजीसी के अनुसार यह कार्रवाई अमेरिका-इज़रायल की ओर से किए गए हमले के जवाब में की गई है जिसमें मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ईरान की अर्ध सरकारी समाचार संस्था तसनीम न्यूज एजेंसी ने आईआरजीसी के हवाले से उक्त जानकारी दी।

आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि फ़ारस की खाड़ी के दक्षिणी तटीय राज्यों के औद्योगिक बुनियादी ढ ांचे को निशाना बनाने के अमेरिका और इज़रायल के दुर्भावनापूर्ण कार्यों के बाद आईआरजीसी एयरोस्पेस फ़ोर्स और नौसेना के लड़ाकों ने एक हाइब्रिड और लक्षित अभियान चलाया। उन्होंने इस क्षेत्र में अमेरिका के सैन्य और एयरोस्पेस उद्योगों से जुड़ी दो फैक्ट्रियों- यूएई में एमिरेट्स एल्युमीनियम (ईमाल) फैक्ट्री और बहरीन में एल्युमीनियम बहरीन (अल्बा) फैक्ट्री को निशाना बनाया है।

ईमाल फैक्ट्री में दुनिया की सबसे लंबी एल्युमीनियम उत्पादन लाइन है, जिसकी उत्पादन क्षमता 1.3 मिलियन टन है। वहीं, अल्बा एल्युमीनियम फैक्ट्री में अमेरिकी कंपनियों का निवेश और हिस्सेदारी है जो अमेरिका के सैन्य उद्योगों के लिए सामान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अमेरिका के सभी 50 राज्यों में ट्रंप के खिलाफ रैलियां निकलीं

वॉशिंगटन डीसी, 29 मार्च। ईरान युद्ध और राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की कार्रवाइयों के विरोध में शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों और यूरोप के कई हिस्सों में "नो किंग्स" रैलियों में भारी भीड़ सड़कों पर उतर आई। बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, लोग

- **"नो किंग्स" रैली में 80 लाख से अधिक लोगों ने ईरान युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया।**

कई मुद्दों पर अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए इकट्ठा हुए।

'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा स्थानों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए।

आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन के हमलों ने रूस का तेल निर्यात 40 प्रतिशत गिराया

रूस के उस्त-लूगा बंदरगाह का एक तेल लोडिंग पियर ड्रोन हमलों में पूरी तरह नष्ट हो गया

मॉस्को/कीव, 29 मार्च। यूक्रेन द्वारा लगातार किए जा रहे ड्रोन हमलों ने रूस के तेल निर्यात ढ ांचे को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूक्रेन के ड्रोन हमले तथा एक प्रमुख पाइपलाइन पर हमला और टैंकरों को जब्त किए जाने के बाद रूस की तेल निर्यात क्षमता का कम से कम 40 फीसदी हिस्सा ठप पड़ गया है।

रूस के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र उस्त-लूगा बंदरगाह पर हुए ड्रोन हमले में कम से कम एक तेल लोडिंग पियर पूरी तरह नष्ट हो गया है, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है। सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर आई रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया एनबीसी व अन्य रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोलियम उत्पादों के रिसाव के कारण लगी आग और हमले में न केवल बर्थ बल्कि कई स्टोरेज टैंक और तकनीकी ढ ांचे भी प्रभावित हुए हैं। इससे पहले, 23 मार्च की रात को यूक्रेन ने रूस के बड़े तेल बंदरगाह प्रिमोर्स्क पर हमला किया था,

- **रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक है। तेल उत्पादन उसके राष्ट्रीय बजट में कमाई के मुख्य स्रोतों में है। इस समय जब तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है, रूस को बहुत हानि हो रही है।**

जिसमें भीषण आग लग गई थी। इस आग में कई बर्थ और दो टैंकर चपेट में आ गए थे। इसके बाद 25 मार्च और फिर 27 मार्च की रात को यूक्रेनी ड्रोनों ने उस्त-लूगा और प्रिमोर्स्क बंदरगाहों को दोबारा निशाना बनाया। ये दोनों बंदरगाह बाल्टिक सागर क्षेत्र में रूस के सबसे अहम तेल निर्यात केंद्र माने जाते हैं।

यह शटडाउन रूस के तेल सप्लाई में अब तक की सबसे बड़ी रुकावट है। रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल एक्सपोर्टर है और यह रुकावट मॉस्को के लिए ठीक ऐसे समय पर आई है जब ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतें 100 प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। रूस का तेल उत्पादन राष्ट्रीय बजट के लिए कमाई के मुख्य स्रोतों में से एक है और 2.6 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ज़रूरी है।

इस महीने यूक्रेन ने रूस के तेल और ईंधन एक्सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर ड्रोन हमलों को तेज कर दिया है। इन हमलों में रूस के तीन मुख्य पश्चिमी तेल एक्सपोर्ट पोर्ट्स को निशाना बनाया गया, जिनमें ब्लैक सी पर नोवोरोस्सियस्क, और बाल्टिक सी पर प्रिमोर्स्क और उस्त-लुगा शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में 5 लाख का ईनामी नक्सली कमांडर मारा गया

सुकमा, 29 मार्च। सुकमा जिले के पोलमपल्ली थाना क्षेत्र के जंगलों में रविवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी नक्सली कमांडर मारा गया है।

सुकमा के एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट

- **सुकमा के जंगलों में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में पुलिस को यह सफलता मिली।**

रिजर्व गार्ड) की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में जवानों और नक्सलियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्र सरकार ने केरोसिन की सप्लाई में भी ढील दी

नई दिल्ली, 29 मार्च। होर्मुज संकट और वैश्विक तनाव के बीच भारत सरकार ने आम लोगों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। रॉयटर्स की जानकारी के अनुसार, भारत सरकार ने केरोसिन यानी मिट्टी के तेल

- **ऊर्जा संकट के बीच इस कदम से आम आदमी को राहत मिलेगी।**

की सप्लाई आसान बनाने के लिए नियमों में ढ ील दी है। इसका मकसद है कि जिन इलाकों में गैस या बिजली की कमी है, वहां लोगों को खाना बनाने और रोशनी के लिए तुरंत केरोसिन मिल सके।

सरकार ने साफ किया है कि पेट्रोलियम सुरक्षा और लाइसेंस से जुड़े कुछ नियमों को अस्थायी तौर पर आसान किया गया है। इससे 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जरूरत के हिसाब से केरोसिन की सप्लाई की जा सकेगी।

सरकार का कहना है कि इस कदम से आम लोगों को सीधा फायदा होगा। खासकर ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में जहां अभी भी लोग केरोसिन पर निर्भर हैं। सरकार ने कहा कि जरूरत पड़ने पर तुरंत केरोसिन उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि किसी को खाना बनाने या रोशनी के लिए परेशानी न हो। यह फैसला अस्थायी है, लेकिन हालात सामान्य होने तक इसे जारी रखा जाएगा।

स्टेनोग्राफर भर्ती में कर्मचारी चयन बोर्ड की अतिरिक्त रियायत खारिज

हाईकोर्ट ने कहा कि, 444 पदों की इस भर्ती के लिए कर्मचारी चयन आयोग 45 दिनों में नई मैरिट लिस्ट बनाए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 29 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट में स्टेनोग्राफर एंड पर्सनल असिस्टेंट ग्रेड-2 भर्ती के दूसरे फेज के दौरान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा अभ्यर्थियों को गलतियों में 5 प्रतिशत की अतिरिक्त राहत देने के फैसले को चुनौती दी गई। सचिवालय के लिए 444 पदों की इस भर्ती की विज्ञप्ति 26 फरवरी 2024 को जारी हुई थी, जिसकी मैरिट लिस्ट 25 सितंबर 2025 को जारी की गई थी।

अदालत ने इस भर्ती को लेकर दायर की गई 40 याचिकाओं को एक साथ सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता संदीप पाठक ने अदालत को बताया कि, इस भर्ती की चयन प्रक्रिया को दो भागों में बांटा गया था। प्रथम चरण में कई तरह के लिखित परीक्षाएं थी, जबकि दूसरे चरण में स्टेनोग्राफी टेस्ट था। प्रथम चरण में हर अभ्यर्थी को 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण करना था, तभी वह दूसरे चरण के लिए पात्र माना जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि, प्रथम चरण की परीक्षाएं 5 अक्टूबर 2024 को आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 23 दिसंबर को जारी किया गया था। दूसरे चरण में स्टेनोग्राफी टेस्ट के बाद मैरिट सूची 25 सितंबर 2025 को जारी की गई थी, जिसमें 904 अभ्यर्थियों को पात्र माना गया। याचिकाकर्ताओं का कहना है

- **अदालत ने सवाल उठाया कि, जब 5 प्रतिशत की अतिरिक्त राहत दिए बिना भी 643 अभ्यर्थी पात्र थे, फिर इनमें से 444 पद क्यों नहीं भरे गए?**
- **याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 904 अभ्यर्थियों ने मैरिट लिस्ट में स्थान पाया है, कर्मचारी चयन बोर्ड ने 5 प्रतिशत की अतिरिक्त राहत गैरकानूनी तरीके से दी है।**

कि, कर्मचारी चयन बोर्ड और राज्य सरकार ने गैरकानूनी ढंग से अभ्यर्थियों को फेज-2 में 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत अतिरिक्त गलतियों व त्रुटियों पर राहत दी, जबकि नियमानुसार गलतियों में राहत केवल सामान्य वर्ग में 20 प्रतिशत तथा एससी-एसटी वर्ग को 25 प्रतिशत दी जाती है। उन्होने कहा कि, 5 प्रतिशत अतिरिक्त राहत का प्रावधान तभी लागू किया जाता है, जब भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों की संख्या तय वैकेंसी से कम रहे।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 904 अभ्यर्थियों में से 643 अभ्यर्थी ने बिना 5 प्रतिशत की अतिरिक्त राहत के फेज-2 की परीक्षाएं उतीर्ण कर ली थी, परंतु यह राहत देकर अभ्यर्थियों की सूची गैरकानूनी तरीके से बढाई गई है।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश आनंद शर्मा ने तमाम तथ्यों को सुनने के बाद अपने आदेश में कहा कि, उनके समक्ष प्रस्तुत रिकॉर्ड से साफ जाहिर होता है कि कर्मचारी चयन बोर्ड के पास 5 प्रतिशत की अतिरिक्त राहत दिए बिना भी 643 अभ्यर्थी थे, जिनमें से उन्हें केवल 444 पद भरने थे। प्राप्त दस्तावेजों से जाहिर होता है कि सामान्य तथा अन्य सभी आरक्षित वर्गों में उपयुक्त संख्या में अभ्यर्थी थे, जिनमें से रिक्त पदों की भर्ती की जा सकती थी। ऐसे में अतिरिक्त राहत देने का कोई औचित्य नहीं था।

अदालत ने कहा कि, अगर चयन बोर्ड कोई वैटिंग लिस्ट भी बनाना चाहता था तो वह सूची भी इन 643 अभ्यर्थियों में से ही बनाई जा सकती थी। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत तर्कों को स्वीकारते हुए कहा कि, 25 सितंबर और 21 अक्टूबर 2025 को जारी मैरिट लिस्ट तथा अंतरिम मैरिट सूची को खारिज किया जाता है। उन्होंने आदेश दिए कि अब कर्मचारी चयन बोर्ड 45 दिनों में नई मैरिट सूची बनाए, जिन्हें 5 प्रतिशत की अतिरिक्त रियायत का फायदा नहीं दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियों में बर्फ गिरी

शिमला, 29 मार्च। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में ताज़ा बर्फबारी और राज्यभर में रविवार को हुई व्यापक बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। ठंड एक बार फिर बढ़ गई है। लाहौल-स्पीति जिला

- **बर्फ और बरसात ने सड़कों पर फिसलन बढ़ाई, रोहतांग दर्रा आंशिक रुप से बंद।**

प्रशासन ने यात्रियों को फिसलन भरी सड़कों पर सावधानी से वाहन चलाने की सलाह जारी की है।

जिला आपात रिपोर्ट के अनुसार कई ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो गए हैं। रोहतांग दर्रा और कुंजुम दर्रा सहित प्रमुख मार्गों पर आवाजाही ठप है। रोहतांग मार्ग के आंशिक रूप से बंद होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

लोक संस्कृति बनाम बाज़ार: क्या राजस्थान अपनी आत्मा खो रहा है?

जैसलमेर की सुनहरी रेत पर ढलती शाम में पारंपरिक वेशभूषा में सज्जित एक लोक कलाकार 'केसरिया बालम' गा रहा है। सामने देशी-विदेशी पर्यटकों की भीड़ है, कैमरे हैं, मोबाइल हैं, तालियाँ हैं-सब कुछ है। जो नहीं है, वह है वह आत्मीयता, वह सामुदायिक स्पंदन, जिसमें यह गीत कभी जन्मा था। जो कभी जीवन की लय था, वह आज 'इवेंट' बन गया है; जो कभी लोक का स्वाभाविक विस्तार था, वह अब बाज़ार का सुनियोजित प्रदर्शन है। सवाल यह है कि क्या हम राजस्थान की लोक संस्कृति को बचा रहे हैं, या उसे एक आकर्षक 'प्रोडक्ट' में बदलकर उसकी आत्मा को धीरे-धीरे समाप्त कर रहे हैं?

लोक संस्कृति की असली ताकत उसकी स्वाभाविकता में होती है। यह किसी मंच या प्रायोजक की मोहताज नहीं होती; यह खेत-खलिहान, आंगन-चौपाल, मेलों-त्योहारों में सांस लेती है। लेकिन जैसे-जैसे पर्यटन उद्योग ने राजस्थान को एक 'डेस्टिनेशन' के रूप में पैकेज किया, वैसे-वैसे लोक संस्कृति भी 'क्यूरेटेड एक्सपीरियंस' में बदलती चली गई। अब लोक नृत्य समय की पाबंदी में बंधा है-पांच से दस मिनट का 'शो'; गीतों के बोल और धुनें इस तरह तराशी जाती हैं कि वे दर्शकों को तुरंत लुभा सकें; पारंपरिक वाद्ययंत्रों की जगह इलेक्ट्रॉनिक साउंड ने ले ली है। यह सब इसलिए कि बाज़ार को 'तुरंत असर' चाहिए, 'धीरे-धीरे खुलने वाली' संवेदना नहीं।

उदाहरण हमारे सामने हैं। कभी मांगणियार और लंगा समुदायों के कलाकार अपने पारंपरिक संरक्षकों-स्थानीय जमींदारों और समुदायों-के लिए गाते थे। उनके गीतों में पीढ़ियों की स्मृतियाँ, रिश्तों की गर्माहट और स्थानीय इतिहास का जीवंत दस्तावेज़ होता था। आज वही कलाकार बड़े-बड़े होटलों और 'डेजर्ट सफारी' पैकेज का हिस्सा हैं। वे गा तो रहे हैं, लेकिन अब उनका गाना 'समय-सीमा' और 'दर्शक की पसंद' से संचालित है। 'पधारो म्हारे देश' अब आतिथ्य का आत्मीय निमंत्रण नहीं, बल्कि पर्यटन का ब्रांड-स्लोगन बन गया है। 'नीबूड़ा' का मूल स्वरूप भुलाया जा चुका है और हर कोई उसका वही रूप प्रस्तुत करता है जो 'हम दिल दे चुके सनम में पेश किया गया था।

इसी तरह कालबेलिया नृत्य को देखिए। यह नृत्य एक विशिष्ट समुदाय की जीवनशैली, उनकी गतिशीलता और प्रकृति से उनके संबंध का प्रतीक था। आज यह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत होता है-यह गर्व की बात हो सकती है-लेकिन इसके साथ ही इसमें 'दृश्यात्मक आकर्षण' बढ़ाने के लिए ऐसे तत्व जोड़े गए हैं, जो मूल परंपरा का हिस्सा नहीं थे। वेशभूषा अधिक चमकीली, मुद्राएँ अधिक नाटकीय, और प्रस्तुति अधिक 'दर्शनीय' बना दी गई है। क्या यह विकास है, या मूल स्वरूप की कीमत पर हासिल किया गया विस्तार?

हस्तशिल्प का हाल भी इससे अलग नहीं। बाड़मेर और जैसलमेर के कारीगरों की कढ़ाई, ब्लॉक प्रिंटिंग, और नीली मिट्टी की कला कभी स्थानीय जरूरतों और सौंदर्यबोध से जुड़ी थी। आज वही कला 'स्मृति-चिह्न' (souvenir) बनकर बिक रही है। डिज़ाइन इस तरह बदले जा रहे हैं कि वे विदेशी ग्राहकों को अधिक आकर्षित करें। रंग, पैटर्न और आकार-सब कुछ बाज़ार की मांग के अनुसार ढल रहा है। इससे कारीगरों की आय बढ़ी है-यह एक सकारात्मक पहलू है-लेकिन क्या इस प्रक्रिया में उनकी परंपरा की मौलिकता सुरक्षित रह पाई है?

ऐसा ही कुछ भोजन के साथ भी हुआ है। दाल-बाटी अब राजस्थान की सीमाओं को लांघ कर राष्ट्रीय व्यंजन बन चुका है। यह अच्छी बात है। हमने भी तो अन्य अनेक प्रांतों के व्यंजनों को खुले मन से स्वीकार किया है। लेकिन चिंता इस बात की की जानी चाहिए कि राजस्थान के पारंपरिक व्यंजन अपना मूल स्वरूप बनाए रखें। बेशक प्रयोग हों, फ्यूज़न भी हो, नवाचार भी हो, लेकिन कहीं अपना मूल भी सुरक्षित रहे। अभी हाल यह है कि राजस्थान में आप मूल राजस्थानी भोजन बड़ी मुश्क़िल से ही पा सकते हैं। राजस्थानी के नाम पर जो मिलता है वह राजस्थानी पंजाबी और मुग़लई का अजीब-ओ-ग़रीब मिश्रण होता है। राजस्थान के बहुत सारे पारंपरिक व्यंजन लुप्त होने की कगार पर है। उन्हें बचाने की किसी को फिक्र भी नहीं है। यह शुभ नहीं है।

बाज़ार के समर्थक यह तर्क देते हैं कि अगर पर्यटन और व्यवसायी करण न होता, तो ये लोक कलाएँ कब की विलुप्त हो चुकी होतीं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं है। सच यह है कि बाज़ार ने इन कलाओं को एक नया जीवन दिया है, कलाकारों को आर्थिक संबल दिया है, और उन्हें वैश्विक मंच तक पहुँचाया है। लेकिन यह आधा सच है।

बाज़ार के समर्थक यह तर्क देते हैं कि अगर पर्यटन और व्यवसायी करण न होता, तो ये लोक कलाएँ कब की विलुप्त हो चुकी होतीं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं है। सच यह है कि बाज़ार ने इन कलाओं को एक नया जीवन दिया है, कलाकारों को आर्थिक संबल दिया है, और उन्हें वैश्विक मंच तक पहुँचाया है। लेकिन यह आधा सच है। दूसरा आधा सच यह है कि इस प्रक्रिया में लोक संस्कृति का 'संदर्भ' (context) विलुप्त होता जा रहा है। जब कला अपने सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ से कट जाती है, तो वह केवल 'प्रदर्शन' बनकर रह जाती है-एक ऐसी वस्तु, जिसे देखा और सराहा तो जा सकता है, लेकिन महसूस नहीं किया जा सकता।

सरकार और नीतियों की भूमिका भी यहाँ सवालों के घेरे में है। 'हेरिटेज' और 'कल्चरल टूरिज्म' के नाम पर बड़े-बड़े उत्सव और महोत्सव आयोजित किए जाते हैं-जैसे मरु महोत्सव, पुष्कर मेला आदि। ये आयोजन निश्चित रूप से ध्यान आकर्षित करते हैं, लेकिन क्या ये दीर्घकालिक संरक्षण का विकल्प हैं? क्या कलाकारों को साल भर स्थायी समर्थन, प्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा मिलती है? क्या इन उत्सवों में राजस्थान की लोक संस्कृति को समुचित महत्त्व मिलता है? देखने में तो यह आता है कि सारे ही उत्सवों में भीड़ खींचने के लिए मुम्बई और बॉलीवुड से कलाकार आयात किए जाते हैं। अपने कलाकार तो केवल 'सीजनल डिमांड' के आधार पर याद किए जाते हैं? यह भी कि क्या इन सरकारी समारोहों में कलाकारों को वही सम्मान और महत्व वास्तव में मिलता है जिसके वे पात्र हैं? जब संस्कृति को केवल 'इवेंट' में समेट दिया जाता है, तो वह जीवन के प्रवाह से कटकर एक 'प्रदर्शनी' बन जाती है।

यह संकट केवल कला का नहीं, पहचान का भी है। जब राजस्थान की छवि को 'डेजर्ट सफारी ग़ लोक नृत्य शो ग़ ऊँट की सवारी' तक सीमित कर दिया जाता है, तो एक जटिल और बहुआयामी संस्कृति को एक सरल, उपभोक्तावादी चित्र में बदल दिया जाता है। यह 'इमेज' बिकाऊ है, लेकिन यह 'पहचान' नहीं है। पहचान वह होती है, जो भीतर से बनती है; इमेज वह होती है, जो बाहर से गढ़ी जाती है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि नई पीढ़ी इसी 'बाज़ारीकृत' रूप को ही असली समझने लगी है। गाँवों में भी अब पारंपरिक गीतों और नृत्यों की जगह फिल्मी या फ्यूज़न रूप अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। जब परंपरा की जड़ें ही कमजोर हो जाएँगी, तो ऊपर का चमकीला ढांचा कितने दिन टिकेगा?

तो क्या समाधान है? क्या बाज़ार से पूरी तरह मुंह मोड़ लिया जाए? शायद नहीं। आज के समय में यह न तो संभव है, न ही व्यावहारिक। लेकिन यह जरूर जरूरी है कि बाज़ार को ही अंतिम निर्णायक न बनने दिया जाए। लोक संस्कृति का संरक्षण केवल 'डिमांड और सप्लाई' का मामला नहीं हो सकता; यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक ज़िम्मेदारी है। इसके लिए समुदायों को केंद्र में रखना होगा, कलाकारों को केवल 'परफॉर्मर' नहीं, 'परंपरा के वाहक' के रूप में देखना होगा, और नीतियों को अल्पकालिक प्रदर्शन से आगे बढ़कर दीर्घकालिक संरक्षण की दिशा में ले जाना होगा। एक ज़रूरी काम यह किया जाना चाहिए कि लोक संस्कृति के मूल स्वरूप को संरक्षित करने के हर संभव प्रयास हो और उसका प्रामाणिक डॉक्यूमेंटेशन हो ताकि ज़रूरत पड़ने पर उसस संदर्भ के रूप में काम लिया जा सके। इस तरह का काम बहुत सावधानी और समझ की अपेक्षा रखता है। लेकिन यह किया ही जाना चाहिए।

आखिरकार, सवाल यह नहीं है कि लोक संस्कृति बदल रही है-परिवर्तन तो स्वाभाविक है। असली सवाल यह है कि क्या यह परिवर्तन भीतर से आ रहा है, या बाहर से बाज़ार की मांग के अनुसार थोपा जा रहा है? अगर राजस्थान की लोक संस्कृति केवल बाज़ार की शर्तों पर जीवित रहती है, तो वह जीवित दिखते हुए भी भीतर से मृत हो जाएगी। उसे बचाना है, तो उसे उसके अपने लोगों, उसकी अपनी जमीन और उसकी अपनी संवेदना के साथ फिर से जोड़ना होगा-वरना एक दिन हम पाएंगे कि हमारे पास रंग-बिरंगे 'शो' तो हैं, लेकिन उनके पीछे की आत्मा कहीं खो चुकी है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

क्या राजस्थान में बी.एड की डिग्री अब सिर्फ़ रद्दी का टुकड़ा है ?

प्रोफेसर अशोक कुमार

राजस्थान में बी.एड. या बैचलर ऑफ एजुकेशन की स्थिति वर्तमान में एक क्रांतिकारी बदलाव और गंभीर संकट के चौराहे पर खड़ी है। जहाँ एक ओर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत भविष्य के शिक्षकों को और अधिक दक्ष बनाने की तैयारी है, वहीं दूसरी ओर राज्य के सैकड़ों महाविद्यालय बंद होने की कगार पर हैं।

1. प्रवेश परीक्षाओं के आंकड़ों में भारी गिरावट : राजस्थान में बी.एड. या बैचलर ऑफ एजुकेशन करने का क्रेज पिछले दो वर्षों में आश्चर्यजनक रूप से गिरा है। राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा प्री-टीचर एजुकेशन टेस्ट (पीटीईटी) के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं।

छात्रों की घटती संख्या: वर्ष 2023 में जहाँ लगभग 5.21 लाख छात्रों ने आवेदन किया था, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर मात्र 2.73 लाख के आसपास रह गई। 2026 के सत्र के लिए भी आवेदन प्रक्रिया (वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा द्वारा संचालित) जारी है, लेकिन प्रारंभिक रुझान बताते हैं कि अब छात्र शिक्षण को अंतिम विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

खाली सीटें: राजस्थान के लगभग 950 से अधिक बी.एड. या बैचलर ऑफ एजुकेशन कॉलेजों में कुल सीटें करीब 1.05 लाख हैं। पिछले सत्र में कई दौर की काउंसलिंग के बाद भी लगभग 15,000 से 20,000 सीटें खाली रह गईं, जो निजी कॉलेज संचालकों के लिए खतरे की घंटी है।

2. 700 महाविद्यालयों पर बंद होने का संकट : अक्टूबर 2025 में आई रिपोर्ट्स के अनुसार, राजस्थान के लगभग 700 बी.एड. कॉलेज बंद होने की स्थिति में हैं। इसके पीछे मुख्य कारण नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन - राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के नए नियम और राज्य सरकार की नीतियां हैं:

बहु-विषयक संस्थान की शर्त: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, 2030 तक केवल वही संस्थान बी.एड. करा पाएंगे जो बहु-विषयक होंगे (जहाँ कला, विज्ञान, वाणिज्य आदि के अन्य कोर्स भी चलते हों)। राजस्थान के अधिकांश कॉलेज स्टैंडअलोन (केवल बी.एड. कराने वाले) हैं।

अनापत्ति प्रमाण पत्र का मुद्दा: राज्य सरकार ने नए शैक्षणिक कॉलेज खोलने या मौजूदा बी.एड. कॉलेजों को सामान्य कॉलेजों में बदलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र देने पर फिलहाल कड़ाई कर रखी है। यदि ये कॉलेज 2030 तक खुद को अपग्रेड नहीं करते, तो इनकी मान्यता स्वतः समाप्त हो जाएगी।

3. सुप्रीम कोर्ट का फैसला: बी.एड. बीएसटीसी (बेसिक स्कूल टीचिंग सर्टिफिकेट) विवाद

राजस्थान के छात्रों के लिए सबसे बड़ा झटका 11 अगस्त 2023 को आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला रहा। इस फैसले ने राज्य के लाखों बी.एड अभ्यर्थियों के सपनों को प्रभावित किया।

प्राथमिक भर्ती से बाहर: कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि बी.एड . धारक अब कक्षा 1 से 5 (लेवल 1) के शिक्षक नहीं बन पाएंगे। राजस्थान में प्राथमिक शिक्षकों के पद सबसे अधिक संख्या में आते हैं।

सीमित अवसर: अब बी.एड डिग्री केवल ग्रेड-2 (वरिष्ठ अध्यापक) और ग्रेड-3, लेवल 2, तक ही सीमित रह गई है। इस कारण छात्रों ने बी.एड . के बजाय बीएसटीसी (बेसिक स्कूल टीचिंग सर्टिफिकेट), डी.एल.एड. की ओर रुख करना शुरू कर दिया है।

4. कोर्स की अवधि में बदलाव और असमंजस : वर्तमान में राजस्थान में तीन तरह के बी.एड मॉडल पर चर्चा हो रही है, जिससे छात्र भ्रमित हैं:–

2-वर्षीय बी.एड : यह वर्तमान में चल रहा है, लेकिन चर्चा है कि 2030 के बाद इसे धीरे-धीरे बंद कर दिया जाएगा। 2026 के सत्र के लिए वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा इसके आवेदन ले रहा है।

4-वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम , राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार 12वीं के बाद सीधे बी.एड. (बीए-बीएड और बीएससी-बीएड) को भविष्य का मानक माना जा रहा है। जोधपुर जैसे संस्थानों ने भी कोर्स शुरू कर दिया है।

1-वर्षीय बी.एड . (प्रस्तावित): नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन ने सत्र 2026-27 से मास्टर डिग्री धारकों के लिए 1-वर्षीय बी.एड। दोबारा शुरू करने का ड्राफ्ट तैयार किया है। छात्र इस छोटे कोर्स के इंतजार में 2-वर्षीय कोर्स में प्रवेश नहीं ले रहे हैं।

5. राजस्थान में बेरोजगारी और पेपर लीक का मनोवैज्ञानिक असर

राजस्थान में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षक भर्तियों (राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा और वरिष्ठ अध्यापक) में हुए पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं के समय पर न होने से युवाओं का सिस्टम से भरोसा उठा है।

आर्थिक बोझ: निजी कॉलेजों की फीस लगभग 27,000 रुपये प्रति वर्ष है, इसके अलावा डोनेशन और अन्य खर्चे मिलाकर छात्र का बजट 1 लाख रुपये पार कर जाता है। भर्ती की अनिश्चितता को देखते हुए छात्र यह जोखिम नहीं उठाना चाहते।

गुणवत्ता का अभाव: राजस्थान के कई कॉलेज "बिना उपस्थिति वाला" मोड पर चल रहे हैं। बिना प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के छात्र डिग्री तो ले लेते हैं, लेकिन शिक्षक भर्ती परीक्षाओं को पास नहीं कर पाते।

भविष्य की तस्वीर: आगे क्या होगा?

महाविद्यालय केवल बड़े और बहु-विषयक कॉलेज ही बचेंगे। छोटे शहरों के स्टैंडअलोन कॉलेज बंद हो जाएंगे। डिजिटल टीचिंग और ब्लेंडेड लर्निंग अनिवार्य होगी। भविष्य के शिक्षकों को और टेक-टूल्स का ज्ञान होना जरूरी होगा। सरकारी नौकरियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, लेकिन निजी क्षेत्र में केवल कुशल शिक्षकों की भारी मांग रहेगी।

निष्कर्ष- राजस्थान में बी.एड . का भविष्य अंधकारमय नहीं है, बल्कि यह 'परिवर्तन' के दौर में है। जो कॉलेज खुद को आधुनिक तकनीक और सरकारी मानकों के अनुसार ढाल लेंगे, वे टिके रहेंगे। छात्रों को भी यह समझना होगा कि अब केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है; उन्हें खुद को कक्षा 9-12 के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में तैयार करना होगा।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

भरतपुर बना सौर ऊर्जा का उभरता मॉडल, सैकड़ों घरों का बिजली बिल शून्य

पीएम सूर्य घर व कुसुम योजना से बदली तस्वीर

संतोष कुमार मीना

राजस्थान में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और हरित विकास की दिशा में भरतपुर जिला तेजी से नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा अभियान अब जमीनी स्तर पर प्रभाव दिखाने लगा है। सरकारी और निजी भवनों की छतों पर सोलर प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे न केवल बिजली बिलों में भारी कमी आई है बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी ठोस कदम उठे हैं।

21 मेगावाट रूफटॉप सोलर का लक्ष्य, तेजी से बढ़ता काम : - जिले में 21 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसे 10, 5 और 6 मेगावाट के तीन चरणों में बांटकर विभिन्न एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग के चलते कार्य गति पकड़ रहा है। भरतपुर मुख्यालय के साथ नदबई, वैर, उच्चैन, बयाना, रूपवास और छौंकरवाड़ा क्षेत्रों में 1928 सरकारी भवनों की पहचान की गई है। इनमें से अब तक 20 भवनों पर 0.84 मेगावाट क्षमता के सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं, जबकि 60 भवनों पर कार्य प्रगति पर है।

पीएम कुसुम योजना किसानों के लिए वरदान :- प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत भी भरतपुर में सौर ऊर्जा का विस्तार तेजी से हो रहा है। जिले में अब तक 5 सोलर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं जिसमें बयाना के ब्रह्मबाद में 2, नदबई के बरौलीछार में 1 तथा वैर के धरसोनी और पथेना में 1-1 प्लांट लगाए गए हैं। कुसुम-बी योजना के तहत वर्ष 2024-25 में 52 कनेक्शन जारी किए गए, जबकि 2025-26 में 19 नए कनेक्शनों की प्रक्रिया जारी है। यह योजना किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़ते हुए सिंचाई लागत को कम करने और आय बढ़ाने में सहायक बन रही है।

पीएम सूर्य घर योजना 1397 घरों में आई रोशनी :- प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आमजन के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। जिले में अब तक 1397 घरों का बिजली बिल शून्य हो चुका है। छतों पर लगे सोलर पैनल न केवल बिजली की जरूरत पूरी कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली उत्पादन की संभावनाएं भी बढ़ा रहे हैं। आसान और किफायती सोलर सिस्टम

सरकार ने सोलर सिस्टम को आमजन के लिए सरल और सुलभ बनाया है। 3 किलोवाट तक के सिस्टम पर 40-60 प्रतिशत तक सब्सिडी मात्र 6 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा प्रदान की जा रही हैं, जिसके तहत 1 किलोवाट पर 30 हजार रूपये, 2 किलोवाट पर 60 हजार रूपये और 3 किलोवाट या अधिक पर 78 हजार रूपये तक सब्सिडी इन प्रोत्साहनों के कारण आम लोग तेजी से सौर ऊर्जा की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

हरित भविष्य की ओर बढ़ता भरतपुर : - भरतपुर अब सौर ऊर्जा के क्षेत्र में एक मॉडल जिले के रूप में उभर रहा है। यह पहल न केवल बिजली बिलों को शून्य करने में मददगार साबित हो रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को भी नई दिशा दे रही है। आने वाले समय में भरतपुर का यह मॉडल पूरे राजस्थान के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा और हरित ऊर्जा क्रांति को नई गति देगा।

संतोष कुमार मीना
पीआरओ, भरतपुर।

श्रीगंगानगर के ग्रामीण इलाकों में तेज बारिश हुई

■ मौसम विभाग ने श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में बारिश के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में मौसम ने अचानक करवट ली है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के सक्रिय होने से रविवार सुबह कई ग्रामीण इलाकों में तेज बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग ने जिले में बारिश के साथ ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। वहीं विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस बार अप्रैल महीने में भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है।

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने के चलते श्रीगंगानगर और आसपास के क्षेत्रों में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिला। रविवार सुबह से ही बादल छाए रहे और कई ग्रामीण इलाकों में तेज बारिश दर्ज की गई। इसके साथ ही धूल भरी आंधी और ठंडी हवाओं ने वातावरण को ठंडा कर दिया। मौसम विभाग ने श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में बारिश के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित होने की संभावना है। रविवार सुबह श्रीगंगानगर, सादुलशहर, लालगढ़ जाटान, चूनावढ़ और आसपास के क्षेत्रों में बारिश हुई। अचानक बदले मौसम के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं किसानों के लिए भी यह बारिश फायदेमंद मानी जा रही है।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले शनिवार को न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री रहा, जबकि शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री और अधिकतम 33 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। लगातार हो रहे बदलाव से साफ है कि मौसम में ठंडक बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार अप्रैल महीने में भीषण गर्मी नहीं पड़ेगी। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के लगातार सक्रिय रहने से तापमान नियंत्रित रहेगा और लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है।

डीआरएम ने जोधपुर-समदड़ी रेलखंड का निरीक्षण किया

■ डीआरएम ने ट्रैक, सिग्नलिंग, लेवल क्रॉसिंग एवं परिचालन व्यवस्थायें जांची और रेलवे द्वारा निर्धारित सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों के अनुपालन की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने जोधपुर-समदड़ी रेलखंड पर गाड़ी संख्या 14887, ऋषिकेश-बाड़मेर एक्सप्रेस के लोकोमोटिव से फुटप्लेट निरीक्षण कर ट्रैक, सिग्नलिंग, लेवल क्रॉसिंग एवं परिचालन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलवे द्वारा निर्धारित सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने रेल पटरियों की गुणवत्ता, जॉइंट्स एवं फिटिंग्स की स्थिति, सिग्नलिंग सिस्टम की कार्यक्षमता और विश्वसनीयता, स्टेशनों के बीच ट्रैक की साफ-सफाई साथ ही लेवल क्रॉसिंग पर तैनात सुरक्षा प्रबंधों का सुक्ष्मता से अवलोकन किया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया कि सभी व्यवस्थाएं निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल, मानक संचालन प्रक्रियाओं तथा संरक्षा दिशानिर्देशों के अनुरूप संचालित हों। इसके अलावा उन्होंने ट्रेन संचालन के दौरान सतर्कता, समयबद्धता तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान क्रू मेंबर्स के साथ संवाद कर परिचालन से जुड़ी व्यवहारिक चुनौतियों की जानकारी ली और आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर चर्चा की। इस दौरान पाई गई खामियों को तत्काल प्रभाव से दूर करने के निर्देश दिए गए।

डीआरएम ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा नियमित मॉनिटरिंग और निरीक्षण के माध्यम से इन मानकों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि रेल संचालन सुरक्षित, संरक्षित एवं सुचारु रूप से जारी रह सके।

अनुराग त्रिपाठी, डीआरएम, जोधपुर मंडल का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जोधपुर-समदड़ी रेलखंड पर सभी सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। जहां भी कमियां पाई जाती हैं, उन्हें तुरंत दूर कर सुरक्षित एवं सुचारु रेल संचालन बनाए रखा जाता है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 30 मार्च, 2026

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, मघा नक्षत्र दिन 2:48 तक, शूल योग सायं 4:51 तक, बालव करण प्रातः 7:10 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग दिन 2:48 तक है। आज सोम प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी, श्री महावीर जयन्ती, मदन द्वादशी, विष्णु दमनोत्सव है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:56 तक, शुभ 9:28 से 11:00 तक, चर 2:03 से 3:35 तक, लाभ-अमृत 3:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:39

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सार-समाचार

महावीर जयंती पर गौशाला में गौमाता की सेवा

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में दिगम्बर जैन ज्ञानोदय नवयुवक मंडल द्वारा विभिन्न गौशाला में गौमाता की सेवा गई। संयोजक विकास पाटनी व अंकित छाबड़ा ने बताया कि मदनेश गौशाला, सुग्रीव गौशाला, राधा माधव गौशाला सहित अन्य गौशाला में गौवंश को लापसी व चारा खिलाया। जीव दया को लेकर कबूतर शालाओं में धान वितरण किया। समाजसेवी गौरव पाटनी ने बताया कि 30 मार्च को प्रात: महावीर जयंती के दिन राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल में रोगियों को दूध व बिस्किट, फ्रूट वितरित किये जायेंगे। सेवा भारती द्वारा संचालित भोजन शाला में पांच दिन तक नि:शुल्क भोजन व्यवस्था की गई। सचिव इंदरचंद पाटनी ने बताया कि सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में परोपकार, जीव दया मानवता का प्रेरणादायक संदेश दिया। इस दौरान वीर कुमार पांडया, राजू वेद, जितेंद्र छाबड़ा, पंकज अजमेरा, संजय झांझरी, ज्ञानचंद पाटनी, सुभाष चौधरी, कैलाश पाटनी, हेमंत , राजेश पहाड़िया, राजकुमार चौधरी, धर्मेंद्र पाटनी, दिलीप , नागेंद्र चौधरी, विकास गंगवाल, आनंद, संतोष , अन्तिमा, जीनांश , पूर्वाश , रक्षित , मिष्टी , रक्षिता अजमेरा, पूर्विक, जीवेशा, माही गंगवाल उपस्थित रहे।

पृथ्वीराज पुरी में सामुदायिक भवन बनवाने की मांग

अजमेर,(कासं)। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के जिला उपाध्यक्ष राजकुमार चौरसिया ने वार्ड 39 में स्थित पृथ्वीराज पुरी में स्थित सामुदायिक भवन या महिला स्नानघर बनाने की मांग को लेकर अतिरिक्त जिला कलैक्टर नरेन्द्र मीणा व एडीए आयुक्त नित्या के को पत्र लिखा है। पत्र में चौरसिया ने बताया कि वार्ड में किसी की मृत्यु होती है तो महिलाए खुले में नहाने को मजबूर है। इनकी सुविधा के लिए सामुदायिक भवन या दो से तीन स्नाानघर बनाने की आवश्यकता है।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक पर आज निकलेगी भव्य रथ यात्रा

अजमेर(निसं)। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 30 मार्च को विशाल रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा प्रात: 8 बजे केसरगंज स्थित जैन मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होकर पुन: मंदिर परिसर में समाप्त होगी। उत्सव संयोजक दीपक कोठारी ने बताया कि भगवान महावीर का जीओ और जीने दो तथा अहिंसा का संदेश आज भी प्रासंगिक है और समाज के लिए मार्गदर्शक है। रथ यात्रा में करीब 40 आकर्षक झांकियां, स्वर्णमयी रथ, ऐरावत हाथी, घोड़े, बैंड और ढोल-नगाड़ों के साथ हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे। विभिन्न झांकियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। शाम को मंदिर में 1008 दीपों से भव्य महाआरती का आयोजन होगा। इसके अलावा ब्राह्मी महिला मंडल द्वारा भजन और बधाई गीतों के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

अजमेर वार्ड 54 वरिष्ठ नागरिक परिषद की मासिक बैठक संपन्न

अजमेर, (निसं)। वार्ड नंबर 54 वरिष्ठ नागरिक परिषद की मासिक बैठक रविवार को नाका मदार शक्ति नगर स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित की गई। बैठक में परिषद के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बृजमोहन सैय्या, एम.एल. भरोटा और सचिव लक्ष्मण सिंह गारवाल का जन्मदिन मनाया गया। साथ ही होली और ईद मिलन समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। बैठक के अंत में परिषद के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया अपनाई गई। हिम्मत सिंह राठौड़ द्वारा मुन्ना मंसूरी के नाम का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुए मुन्ना मंसूरी को अध्यक्ष नियुक्त किया। नवनियुक्त अध्यक्ष मुन्ना मंसूरी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा और परिषद का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने वार्ड के समग्र विकास के लिए कार्य करने का भरोसा दिलाया। बैठक में वार्ड की साफ-सफाई, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई और कई आवश्यक निर्णय लिए गए। इस अवसर पर बाल किशन भाटी, लक्ष्मण सिंह गारवाल, बृजमोहन सैय्या, एम.एल. भरोंठा, विद्यानंद चतुर्वेदी, प्रवीण राठौड़, रज्जाक मोहम्मद अंसारी, वजरंग लाल सेन, मदन धानका, मांगीलाल, महेंद्र सिंह, भगवान सहाय, नारायण, हिम्मत सिंह, गणेश चंद सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति हेतु विशाल परामर्श शिविर

ब्यावर (निसं)। जिला प्रशासन,जिला पुलिस एवं लायंस क्लब ब्यावर यूनिक के सौजन्य से 5 अप्रेल रविवार को केम्पस पुलिस थाना,ब्यावर सिटी में निशुल्क नशा मुक्ति परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में मनोरोग एवं नशा मुक्ति विशेषज्ञ श्रीमती नसीम जहाँ ,एमबीबीएस ,एमडी अपनी सेवाएं देगी। गौरतलब है कि युवाओं में नशे की लत बढ़ती जा रही है और भविष्य अंधेरे में जा रहा है। क्लब का उद्देश्य सामाजिक कार्य करने के साथ साथ युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करना और उन्हें ऐसे पथ पर जाने से रोकना है जो उन्हें अंधकार की ओर ले जाता है। यदि हमारा वर्तमान सुरक्षित है तो भविष्य उज्ज्वल होगा। सरकार, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने नशे के विरुद्ध अभियान चला रखा है। इस अभियान में लायंस क्लब ब्यावर यूनिक प्रशासन के साथ है और नशे के विरुद्ध इस अभियान में हमेशा अग्रणी रहा है।जो युवा इस अंधकार में भटक गए है उन्हें पुन: मुख्य धारा में लाना होगा उन्हें एक सम्मानित जीवन जीने का मौका देना होगा। नशा मुक्ति शिविर का आयोजन नशे की गिरफ्त में युवाओं को इससे बाहर निकलने में मदद करेगी।

पंडित जी के विकास कार्यों को किया याद

ब्यावर (निसं)। स्वतंत्रता सेनानी, अजमेर-मेरवाड़ा के पूर्व उप-मुख्यमंत्री एवं राजस्थान सरकार में शिक्षा, राजस्व एवं श्रम मंत्री रहे स्वर्गीय पंडित बृजमोहनलाल शर्मा की 29 वीं पुण्यतिथि पर आज श्रद्धांजलि सभा एवं सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रबुद्धजनों ने भाग लेकर पंडित जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

'शून्य मृत्यु दर जिला' अभियान को गति देने हेतु क्रिटिकल कॉरिडोर टीम की हुई बैठक

■ बैठक के दौरान जिले में चिन्हित दुर्घटना संभावित (ब्लैक स्पॉट) क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने, यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने तथा आमजन को जागरूक करने पर जोर दिया गया

अजमेर, (निसं)। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और 'शून्य मृत्यु' के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से अजमेर पुलिस द्वारा 'शून्य मृत्यु दर जिला (जेडएफडी)' अभियान के अंतर्गत क्रिटिकल कॉरिडोर टीम की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक गांधी नगर के मार्बल एसोसिएशन के सभागार में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला द्वारा की गई।

बैठक के दौरान जिले में चिन्हित दुर्घटना संभावित (ब्लैक स्पॉट) क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने, यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने तथा आमजन को जागरूक करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे सडक़ दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए एम्बुलेंस सेवाओं एवं 108 मेडिकल वाहनों का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करें।

एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर ठोस और प्रभावी कार्य योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि 'शून्य मृत्यु दर वाला जिला' अभियान के तहत जिले में दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान कर उनके निराकरण के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिले के सभी क्रिटिकल पुलिस थानों में सहायक पुलिस निरीक्षक स्तर के अधिकारियों को प्रभारी बनाकर विशेष टीमें गठित की जाएंगी, जो दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में नियमित निगरानी और आवश्यक कार्रवाई करेंगी। साथ ही, चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और दुर्घटना की स्थिति में त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

पुलिस की आमजन से अपील: अजमेर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। साथ ही शराब पीकर वाहन न चलाएं और सुरक्षित ड्राइविंग अपनाकर इस अभियान में सहयोग प्रदान करें, ताकि सडक़ दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोका जा सके।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दीपक कुमार, डॉ अजय सिंह, वृताधिकारी रामचन्द्र चौधरी, यातायात प्रभारी सहित संबंधित थानों के अधिकारी एवं अन्य विभागीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भारतीय शिक्षण मंडल का 57वां स्थापना दिवस कल

■ संगठन की वार्षिक पत्रिका भारतीय शिक्षण बोध'' का विधिवत विमोचन भी किया जाएगा

अजमेर, (निसं)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षण मंडल, चित्तौड़ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में 31 मार्च 2026 (मंगलवार) को भारतीय शिक्षण मंडल का 57वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर संगठन की वार्षिक पत्रिका भारतीय शिक्षण बोध'' का विधिवत विमोचन भी किया जाएगा। इस वर्ष समारोह का मुख्य विषय स्वबोध आधारित शिक्षा औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति एवं राष्ट्र पुनर्निर्माण का आधार रखा गया है। यह विषय भारतीय ज्ञान परंपरा और सनातन मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली को पुनर्स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी.आर. शंकरानंद तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय महामंत्री प्रो. भरत शरण सिंह और राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा डॉ. संजय पाठक, प्रो. गजेंद्र पाल सिंह, प्रो. अल्पना कटेजा और श्री चंडी दान चारण सहित कई गणमान्य अतिथि समारोह में भाग लेंगे। आयोजन कुलपति प्रो. भालेराव के मार्गदर्शन में किया जा रहा है और इसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा के स्वदेशी दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना है। गौरतलब है कि भारतीय शिक्षण मंडल की स्थापना वर्ष 1969 में राम नवमी के पावन अवसर पर हुई थी और वर्तमान में यह संगठन देश के 45 प्रांतों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

'भगवान महावीर जन्म कल्याणक पर बच्चों की प्रतियोगिताएं आयोजित'

■ कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार एवं नगद राशि प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया

अजमेर, (निसं)। भगवान महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में रविवार को श्री जैन रत्न युवती मंडल अजमेर की ओर से पुष्कर रोड स्थित स्वाध्याय भवन में बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में 5 से 9 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस एवं भजन प्रस्तुति प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने महावीर स्वामी के 27 भवों में से किसी एक का वेश धारण कर अपनी प्रस्तुति दी। वहीं 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए मैं महावीर स्वामी क्यों बनना चाहता हूँ विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई।

करीब 30 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भाषण प्रतियोगिता में मोक्षा चोपड़ा प्रथम, काश्वी जैन कटारिया द्वितीय एवं रिद्धिमा जैन तृतीय स्थान पर रहीं। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में रोहक कोठारी प्रथम एवं आरव चपलोत द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि भजन प्रतियोगिता में लाभार्थ सुराणा प्रथम तथा अनंत पोखरणा द्वितीय रहे।

निर्णायक मंडल में सूर्यप्रकाश गांधी, सम्पत डूंगरवाल एवं तारा सिसोदिया ने प्रतिभाओं का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार एवं नगद राशि प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई, जिसमें शालू पोखरणा, रानू कटारिया, श्वेता कटारिया एवं शिल्पा कावडिय़ा ने प्रस्तुति दी। स्वागत गीत शीतल गांधी, भावना लोढ़ा एवं अंशिता जैन ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मेघा कोठारी एवं रिचा मेहता ने किया। इस अवसर पर अलका दुधेडिया, उषा लूणावत, सोना कोठारी, कल्पना कटारिया, नम्रता कोठारी, साक्षी बोहरा, रेखा बोहरा सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

मेघवाल समाज विकास संस्थान की बैठक हुई

डीडवाना(निसं)। मेघवाल समाज विकास संस्थान, डीडवाना की समस्त कार्यकारिणी एवं आमजन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 14 अप्रैल को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती को भव्य रूप से मनाने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान संस्थान के अध्यक्ष एस.आर. लूनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली चूंगी चौकी से प्रारंभ होकर अम्बेडकर सर्किल से होते हुए मेघवाल समाज विकास संस्थान भवन पर जाकर समाप्त होगी। रैली के पश्चात संस्थान भवन में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

चम्बल का पानी वंचित कॉलोनियों को उपलब्ध कराने की मांग

■ 131 करोड़ की योजना का वर्क ऑर्डर हो, आमजन हाई टीडीएस का पानी पीने को मजबुर

भीलवाड़ा(निसं)। पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल एवं विधायक अशोक कोठारी से चम्बल पेयजल से वंचित कॉलोनियों को चम्बल का पानी शीघ्र उपलब्ध करवाने की मांग की है। जाजू ने कहा कि सरकार द्वारा 131 करोड़ रुपये वंचित कॉलोनियों को चम्बल का पानी उपलब्ध कराने हेतु स्वीकृत किये गये हैं, परंतु अब तक वर्क ऑर्डर जारी नहीं हुए हैं जो शीघ्र जारी कराए जाए।

जाजू ने बताया कि बजट स्वीकृत होने के बावजूद लगभग 1 लाख लोग आज भी अशुद्ध, प्रदूषित व हाई टीडीएस का पानी पीने को मजबूर है। जाजू ने बताया कि हाई टीडीएस पानी पीने के लिए तो उपयुक्त नहीं है साथ ही नहाने पर भी बाल झड़ने की गंभीर समस्या पैदा कर रहा है। जाजू ने पत्र लिखकर विधायक, सांसद सहित प्रशासन व जनप्रतिनिधियों का शुद्ध पेयजल की गंभीर व पुरानी समस्या से निजात हेतु शीघ्र वर्क ऑर्डर जारी कर समयसीमा तय करते हुए चम्बल का पेयजल उपलब्ध कराने की ओर ध्यान आकृष्ट किया। उल्लेखनीय है कि जाजू ने शुद्ध व स्वच्छ पेयजल हेतु राजस्थान उच्च न्यायालय में जनहित याचिका भी दायर की थी, जिसमें जिला प्रशासन व पीएचईडी को पेयजल उपलब्ध कराने हेतु दिशानिर्देश दिये गये हैं।

शैक्षिक महासंघ की जिला बैठक में संगठन सुदृढ़ीकरण पर जोर

अजमेर, (निसं)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (विद्यालय शिक्षा) जिला अजमेर की बैठक तोपदड़ा स्थित विवेकानंद शिक्षण कल्याण न्यास भवन में आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष भंवर सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह नरूका ने की।

बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। मुख्य वक्ता भंवर सिंह राठौड़ ने संगठन की गतिविधियों, सदस्यता अभियान और आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन का विस्तार अब खंड स्तर पर किया जाएगा तथा 14 अप्रैल को सामाजिक समरसता कार्यक्रम सभी विद्यालयों में आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने संगठन की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की एकता और समर्पण से संगठन आज मजबूत स्थिति में पहुंचा है। आगामी सत्र 2026-27 के सदस्यता अभियान को सफल बनाने का आव्हान भी किया गया।

बैठक में जिले के 11 खंडों में प्रवासी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गई तथा सभी खंड अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों की गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की।

द्वितीय सत्र में जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह नरूका ने संगठन की विचारधारा, प्रशिक्षण वर्ग, कर्तव्य बोध दिवस एवं नव संवत्सर कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक भगवान सिंह गौड़ का सेवानिवृत्ति उपरांत सम्मान किया गया।

आराधना भवन में नवपद ओली का आयोजन

अजमेर, (निसं)। पुष्कर रोड स्थित श्री विजय कलापूर्ण सूरी जैन आराधना भवन में इन दिनों 9 दिवसीय नवपद ओली का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जा रहा है।

25 मार्च से प्रारंभ हुई इस ओली में प्रतिदिन लगभग 60 से 65 महिला एवं पुरुष श्रद्धालु आयम्बिल कर रहे हैं। इस आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था संतोष चंद सुराणा परिवार द्वारा की जा रही है।

आयम्बिल के दौरान बिना नमक एवं सीमित आहार के साथ विशेष नियमों का पालन किया जा रहा है। प्रतिदिन 30 से 35 प्रकार के व्यंजन तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें घी, तेल, दूध, दही, मसाले एवं फलों का उपयोग नहीं किया जाता। केवल सादा उबला हुआ अनाज, गेहूं, चावल, दाल, चिरायता पानी, आयम्बिल पापड़ और खाखरा जैसे पदार्थों का सेवन किया जाता है। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के प्रवक्ता रिखब सुराणा ने बताया कि नवपद ओली का मुख्य उद्देश्य स्वाद की आसक्ति को समाप्त कर इन्द्रियों पर नियंत्रण प्राप्त करना और कर्मों के बंधन को कम करना है। उन्होंने कहा कि यह तप न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी लाभकारी है, क्योंकि यह शरीर और मन दोनों के संतुलन को बनाए रखने में सहायक है।

वार्ड 53 में विकास की नई सौगात, 32 लाख के टीन शेड का लोकार्पण

■ मंदिर समिति द्वारा लंबे समय से टीन शेड निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे अब पूरा कर दिया गया है

अजमेर(निसं)। दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने वार्ड संख्या 53 में धोलाभाटा से आगे रेलवे लाइन के पार स्थित बाबा रामदेव मंदिर परिसर में 32 लाख रुपये की लागत से निर्मित टीनशेड का लोकार्पण किया। इस अवसर पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा और स्थानीय नागरिकों ने विधायक का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। विधायक भदेल ने बताया कि मंदिर परिसर में पहले किसी प्रकार की स्थायी छाया व्यवस्था नहीं थी, जिससे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। जागरण, कथा, सत्संग और बैठकों के लिए हर बार अस्थायी टेंट लगाने पड़ते थे, जो मौसम के अनुसार परेशानी का कारण बनते थे।

उन्होंने बताया कि मंदिर समिति द्वारा लंबे समय से टीन शेड निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे अब पूरा कर दिया गया है। बड़े आकार में बनाए गए इस टीनशेड से अब बड़े स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन आसानी से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे विकास कार्यों का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है और भविष्य में भी विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सोफिया कॉलेज में वार्षिक उत्सव व पारितोषिक वितरण समारोह संपन्न

अजमेर, (निसं)। सोफिया कॉलेज (स्वायत्तशासी), अजमेर में रविवार सायं 5.30 बजे वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्राचार्या प्रोफेसर सिस्टर पर्ल द्वारा मुख्य अतिथि कर्नल मंदीप विरदी (कमांडिंग ऑफिसर, आर्मी सर्विस कोप्र्स, कालका) एवं विशिष्ट अतिथि राइट रेव. बिशप जॉन कार्वाल्हो का पौधा भेंट कर स्वागत से हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना एवं नृत्य से हुई। इसके पश्चात प्राचार्या ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर वर्षभर की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया।

एनसीसी में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए नेहा राठौड़ एवं रित्विका राठौड़ को पुरस्कृत किया गया। हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता में परी कोठारी तथा अंग्रेजी वाद-विवाद में वृंदा पराशर को श्रेष्ठ वक्ता के रूप में सम्मानित किया गया। नाट्यय निर्देशन में प्रियदर्शिनी सोनी, कशिश टेकचंदानी, श्वेता भाकर एवं सृष्टि जोरम को पुरस्कार प्रदान किए गए।

सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का सम्मान संस्कृति कंवर एवं दिव्यांशी को दिया गया, जबकि सामाजिक सेवा के लिए आयशा जमीर, वद्रिधनी जैन, इश्मीत कौर एवं अंशिता मित्तल को ट्रॉफी प्रदान की गई। लगभग एक लाख रुपये की 47 प्रकार की छात्रवृत्तियां भी वितरित की गई। सर्वश्रेष्ठ छात्रा का खिताब वद्रिधनी जैन एवं भानु प्रदीप को मटिल्डा ट्रॉफी के रूप में मिला, जबकि सुहानी शर्मा को सिस्टर कामन स्मृति ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम में अस्तित्व - आत्म की खोज विषय पर आधारित नृत्य-नाटिका ने विशेष आकर्षण बटोरा, जिसमें आत्मबोध, पहचान और संघर्ष को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। विशिष्ट अतिथि बिशप जॉन कार्वाल्हो ने कहा कि कॉलेज विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दे रहा है।

गोविंद गिरी महाराज के प्रवचन से बनेगा आस्था का मंदिर

ब्यावर (निसं)। प्रति वर्ष की भांति होने वाले आयोजनों के अंतर्गत इस वर्ष 2 से 5 अप्रेल तक आध्यात्मिक आयोजन में श्री गोविन्द गिरी महाराज के मुखारविंद से कृष्ण नीति दर्शन से गूंजेगा पूरा ब्यावर शहर। ज्ञान और सेवा कृष्ण नीति दर्शन विषय पर चार दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन की सम्पूर्ण तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। । धर्म और आस्था से जुड़ा श्री फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित यह भव्य आयोजन श्री सीमेंट परिसर में प्रतिदिन शाम 4 से 7 बजे तक होगा। आयोजन में श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज अपने प्रवचनों के माध्यम से भगवान कृष्ण के जीवन दर्शन और नीतियों पर प्रकाश डालेंगे। गौरतलब है की पूर्व में भी महाराज श्री के मुखारविंद से यह आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण और सफल रहा था। इकाई प्रमुख विकास सिंघल के अनुसार यह आयोजन क्षेत्रवासियों के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और ज्ञान प्राप्त करने का विशेष अवसर है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए भरत शर्मा ने बताया की जिस प्रकार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नि:शुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई जा रही है उसी क्रम में इनके अलावा जो भी निजी वाहन लेकर आएंगे उन्हें भी निशुल्क टोल करवाए जाने हेतु प्रयास किया जा रहा है। चार दिवसीय कथा की जानकारी देते हुए। मानव संसाधन प्रमुख देवेंद्र माथुर ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नि:शुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही बैठने के लिए वातानुकूलित पांडाल भी तैयार किया जा रहा है।

अजमेर : श्रद्धालुओं की ईको वैन खाई में पलटी, एक की मौत, पांच घायल

मांगलियावास के तबीजी हाइवे पर राधा स्वामी सत्संग स्थल के निकट हुआ हादसा

अजमेर/मांगलियावास, (निसं)। तबीजी हाइवे पर राधा स्वामी सत्संग स्थल के निकट रविवार शाम एक सड़क हादसे में एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि चालक सहित पांच लोग घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार रविवार शाम करीब 5.30 बजे अजमेर से ब्यावर की ओर जा रही एक ईको वैन तेज गति के कारण अनियंत्रित हो गई और सड़क से उतरकर सर्विस रोड निर्माण के लिए खोदी गई खाई में जा गिरी। खाई में गिरने के बाद वैन पास के गहरे गड्ढे से टकरा गई, जिससे उसका अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय वैन में सवार श्रद्धालु परिवार गुजरात से खाटूश्यामजी के दर्शन कर वापस लौट रहा था। दुर्घटना में सोहनलाल, दिग्विजय, प्रिंस, पारस, चालक सन्नी, गंगा और मेघा घायल हो गए। तीन बच्चों को मामूली चोटें आईं। सभी घायलों को तत्काल अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान सोहनलाल की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशिक्षु आरपीएस डॉ. दीपेंद्र सैनी, एएसआई गोपाराम बिश्नोई सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हाइवे पेट्रोलिंग, 108 एंबुलेंस और एनएचएआई की टीम ने भी राहत कार्य में सहयोग किया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को वैन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

हादसे के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

- घायलों में से दो की हालत गंभीर, अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया
- ईको वैन तेज गति के कारण अनियंत्रित हो गई और सड़क से उतरकर सर्विस रोड निर्माण के लिए खोदी गई खाई में जा गिरी

ग्रामीणों ने हादसे के लिए हाइवे प्राधिकरण को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि सर्विस रोड और पुलिया निर्माण कार्य पिछले एक महीने से चल रहा है, लेकिन सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। निर्माण स्थल पर न तो चेतावनी संकेत लगाए गए हैं और न ही बैरिकेडिंग की गई है। ग्रामीणों के अनुसार इस स्थान पर पहले भी एक दर्जन से अधिक हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोग घायल हुए हैं। इसके बावजूद प्रशासन ने अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

खेत से लौट रहे पिता-पुत्र पर लैपर्ड ने हमला किया

ग्रामीणों के मौके पर पहुंचकर शोर मचाने से लैपर्ड भाग गया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के गिर्वा ब्लॉक के खजूरी गांव में शनिवार शाम को खेत के पास से बकरियां लेकर घर लौट रहे पिता-पुत्र पर लैपर्ड ने हमला कर दिया। शोर मचाने पर ग्रामीणों के मौके पर पहुंचने पर लैपर्ड भाग गया।घायल पिता-पुत्र को टीडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार दोनों पिता-पुत्र खेत के पास से बकरियां लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान नाले के पास झाड़ियों में छिपे लैपर्ड ने पीछे से सवजी (58) पर हमला कर दिया। पीछे आ रहे बेटे कमलेश (20) के चिल्लाने पर लैपर्ड उस पर भी लपका और हमला कर दिया। इस बीच पिता-पुत्र ने अपनी जान बचाने के लिए जोर-जोर से शोर मचाया तो वहां खेतों और पास के मकानों में रहने वाले लोग भागकर आए। उन्होंने लैपर्ड को देखा तो उन्होंने भी शोर मचाया। लोगों को देखकर लैपर्ड दोनों को लहूलुहान स्थिति में वहीं छोड़कर झाड़ियों में होते हुए जंगल की तरफ भाग गया।

- बकरियां चराकर लौट रहे थे, तभी झाड़ियों छिपे लैपर्ड ने हमला कर दिया

लैपर्ड के जाने के बाद ग्रामीण दूर से भाग कर दोनों घायलों के पास पहुंचे और वहां से दोनों को गांव के अंदर से सड़क पर लेकर आए और इस बीच एंबुलेंस को बुला लिया गया। लैपर्ड के हमले से पिता के हाथ और सीने में तो बेटे के हाथ पर चोटें आई। हाइवे से दोनों को टीडी के 108 एंबुलेंस का नर्सिंग स्टाफ प्रकाश सालवी और कांतिलाल रोत टीडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उदयपुर रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार गांव में पहली बार लैपर्ड के हमले की घटना हुई और पिता और पुत्र की हालत देखकर गांव वालों में दहशत का माहौल है।

गेहूं से भरा ट्रेलर पलटा, चालक घायल

दौसा पुलिया के घुमाव पर ट्रेलर संतुलन खोकर पलट गया, जिससे गेहूं की बोरिया सड़क पर फ़ैल गई।

मनोहरपुर, (निसं)। थाना इलाके के दौसा पुलिया के घुमाव पर गेहूं से भरा एक ट्रेलर अचानक संतुलन खोकर पलट गया। जिससे ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए मनोहरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया।

थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि गुजरात नंबर एक ट्रेलर एमपी से गेहूं भरकर कोटपुतली की तरफ जा रहा था। इस दौरान दौसा पुलिया के घुमाव पर अचानक संतुलन खोकर पलट गया।

- मनोहरपुर थाना इलाके के दौसा पुलिया के घुमाव पर हुआ हादसा

जिससे गेहूं की बोरिया सड़क पर फ़ैल गई। ट्रेलर का चालक धोलूराम पुत्र श्योपाल उम्र 30 साल गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले की सूचना पाकर थाना पुलिस के एएसआई जयराम यादव मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और घायल चालक को इलाज के लिए राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भिजवाया। उसका उपचार किया का रहा है।

उदयपुर : गोगुंदा में आबादी के पास 30 बीघा जंगल में भीषण आग लगी

रात के समय तेज हवा के चलने से देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के गोगुंदा थाना क्षेत्र के काछबा गांव स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर के सामने वाली पहाड़ी पर शनिवार रात को भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

रात के समय तेज हवा के चलने से देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 30 बीघा जंगल को अपनी चपेट में ले लिया। पहाड़ी पर सूखी घास थी, जिससे आग तेजी से आगे बढ़ रही थी। आग की लपटें तेजी से फैलने के कारण आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। पहाड़ी से इलाके में आबादी का रहवास होने से वहां रहने वाले लोग दशहत में हो गए।

- पहाड़ी पर सूखी घास थी, जिससे आग तेजी से आगे बढ़ गई, आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया

इस बीच ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का काम शुरू किया। सरपंच प्रतिनिधि अंबालाल की सूचना पर उदयपुर से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची, जहां दमकलकर्मी ने आग पर काबू पाने के लिए पानी की बोछारें डाली, लेकिन पहाड़ी इलाका होने से आग तक पाइप नहीं पहुंच सके। बाद में पुलिस और गोगुंदा वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची।

देर रात आग पर कंट्रोल हुआ, लेकिन धुआं सुबह तक उठता रहा है। वहां जमा हुए ग्रामीणों का कहना है कि आग बुझाने का काम शुरू कर दिया नहीं तो आग घरों तक पहुंच सकती थी और उससे काफी नुकसान हो सकता था।

युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में युवक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 मार्च को पलासमा सायरा निवासी भैरूलाल पुत्र केसुलाल प्रजापत का शव नवरत्न में ज्ञानगढ़ रोड़ पर मिला। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने चिकित्सालय पहुंचाया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर हैड कांस्टेबल जसवंतसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। भैरूलाल एक हाथ से विकलांग होकर विभिन्न स्थानों पर चौकीदारी किया करता था। इसी प्रकार गत दिनों नाई थाना क्षेत्र में स्टोट हाईवे उदयपुर झाड़ोल मार्ग स्टेट हाइवे पर हुए सडक हादसे में घायल बडी उन्दरी भगतफला निवासी लोकेश पुत्र बाबूलाल मीणा की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। नाई थाना एएसआई पर्वतसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा पकड़ा, एक आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने नगदी, दो मोबाइल, एलईडी व सट्टे के हिसाब की डायरी जब्त की।

निवाई, (निसं)। डीएसटी व पुलिस निवाई थाना क्षेत्र में आईपीएल मैच के दौरान लाखों रुपये के ऑनलाइन सट्टे के कारोबार करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिससे 22 हजार 400 रुपए, दो मोबाइल, एक एलईडी व सट्टे के हिसाब की डायरी जब्त किए हैं।

डीएसटी के उप निरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के विरुद्ध अभियान को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल प्रसाद व पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा के सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए निवाई थाना क्षेत्र में आईपीएल 2026 के बेंगलुरु बनाम हैदराबाद मैच के दौरान लाखों रुपये के ऑनलाइन सट्टे के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए इंदिरा कॉलोनी में देर रात दबिश देकर आरोपी रवि पारीक उर्फ जितेंद्र को गिरफ्तार किया है। जिससे 22 हजार 400 रुपये की सट्टा राशि, दो मोबाइल फोन, एक एलईडी टीवी व सट्टे के हिसाब-किताब की एक डायरी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। टीम में हैड कानि. मो शरीफ , कानि प्रधान, शिवपाल, रुकमकेष, राधामोहन, राधाकिशन व राजेश कुमार शामिल थे।

सट्टा लगाते आठ गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम ने अलीगढ़ और सोप थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग ठिकानों पर छापामारी की कार्रवाई कर सट्टा पर्ची पर संचालित जुआ खेलते आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से 56 हजार 780 रुपए नकद एवं सट्टा हिसाब डायरी में 22 लाख के जुए का हिसाब व मोबाइल और टीवी आदि बरामद किया है।

जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि अलीगढ़ थाना क्षेत्र के पचाला में डीएसटी कार्रवाई कर दो व्यक्तियों को सट्टा पर्ची पर जुआ खिलाते हुए मौके से गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 47 हजार 500 कैश और मौके से बरामद डायरी में 6 लाख का हिसाब मिला। दोनों आरोपी पचाला निवासी सीताराम पुत्र हनुमान मीणा, इकबाल पुत्र शहाबुद्दीन खान को गिरफ्तार किया है। वहीं सोप थाना इलाके में कोटड़ी मोड़ पर टीम द्वारा छापामारी कर 6 व्यक्तियों के कब्जे से 9200 जुआ राशि जब्त की है। डायरियों में 16 लाख रुपए का हिसाब किताब मिला है। टीम ने नंदकिशोर, यासीन, धारा सिंह, प्रकाश बैरवा, चेतन मीणा एवं देशराज मीणा को गिरफ्तार किया है।

सरवाड़ : दाल फैक्टरी में भीषण आग लगने से लाखों का नुकसान

आग से बड़ी मात्रा में दाल, मशीनरी और अन्य सामग्री जल गई

सरवाड़, (निसं)। रीको एरिया में स्थित अरावली इंडस्ट्रीज की दाल फैक्टरी में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। पुलिस गश्त के दौरान फैक्टरी से उठता धुआं और आग की लपटें देख तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई।

- रीको एरिया में अरावली इंडस्ट्रीज में आग लग गई थी, बड़ा हादसा टला

एएसआई नारायण लाल की तत्परता से पांच दमकल वाहनों को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा लेने से बड़ी जनहानि टल गई। फैक्टरी मालिक के अनुसार आग में बड़ी मात्रा में दाल, मशीनरी और अन्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए थे, लेकिन प्रशासन और दमकल विभाग की सतर्कता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया।

दमकल वाहनों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

नोखा : राजस्थान रोडवेज बस में यात्रियों को फर्जी टिकट थमाये

विजिलेंस चेकिंग के दौरान बस में 10 यात्री फर्जी टिकट पर सफर करते मिले

नोखा, (निसं)। क्षेत्र में राजस्थान रोडवेज की बस में फर्जी टिकट से यात्रियों को यात्रा करवाने का मामला सामने आया है। विजिलेंस चेकिंग के दौरान 10 यात्री फर्जी टिकट पर सफर करते मिले। रोडवेज विभाग की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजिलेंस टीम को देखकर बस सारथी मशीन और किराया लेकर फरार हो गया। बीकानेर रोडवेज की मुख्य प्रबंधक इंदिरा गोदारा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

- विजिलेंस टीम को देखकर बस सारथी मशीन और किराया लेकर फरार हो गया, थाने में रिपोर्ट दर्ज
- फर्जी टिकट पर दो यात्री अजमेर से बीकानेर, छह यात्री नागौर से बीकानेर और दो यात्री मेड़ता से बीकानेर जा रहे थे

मुख्य प्रबंधक इंदिरा गोदारा ने बताया कि 28 मार्च को उन्हें सूचना मिली थी कि बस सारथी अंकित पुत्र सुभाष जयानी यात्रियों से किराया लेकर फर्जी टिकट जारी कर रहा है। इस सूचना के बाद विजिलेंस टीम ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि जयपुर के विद्याधर नगर डिपो से संचालित बस संख्या आरजे 14 पीएच 0293, 27 मार्च को जयपुर से अजमेर, नागौर, नोखा होते हुए बीकानेर आ रही थी। इसी दौरान बस सारथी ने यात्रियों से किराया लेकर फर्जी टिकट जारी किए। विजिलेंस टीम ने बुद्धरों की ढाणी के पास बस को रुकवाकर जांच की। इसमें 10 यात्री फर्जी टिकट पर यात्रा करते पाए गए। इनमें दो यात्री अजमेर से बीकानेर, छह यात्री नागौर से बीकानेर और दो यात्री मेड़ता से बीकानेर जा रहे थे। सभी यात्रियों से पूरा किराया वसूला गया था, लेकिन उन्हें फर्जी टिकट दिए गए थे। जांच के दौरान अधिकारियों ने बस सारथी अंकित से पूछताछ की। वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया और रोडवेज की आईटीएम मशीन तथा किराए की राशि लेकर मौके से फरार हो गया। बाद में विभाग ने अन्य डिपो से जानकारी जुटाई, जिसमें मेड़ता और नोखा रेलवे स्टेशन से जारी टिकट भी फर्जी पाए गए। नागौर के मुख्य प्रबंधक ने भी 28 मार्च को जांच में इन टिकटों के फर्जी होने की पुष्टि की।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि अलाय गांव निवासी बस सारथी अंकित ने फर्जी टिकट जारी कर सरकारी राजस्व का गबन किया। उसने विभाग द्वारा दी गई मशीन से सही तरीके से टिकट जारी नहीं किए। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

हाइवे पर दुर्घटनाग्रस्त कार से एक क्विंटल डोडा-चूरा जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने नेशनल हाइवे 48 पर एक संदिग्ध हुंडई वरना कार से 101 किलो अवैध डोडा-चूरा बरामद किया है। मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार डीएसटी के कांस्टेबल रमेश को मुखबिर से सूचना मिली कि हमीरगढ़ से मांडल की ओर जा रही एक दिल्ली पासिंग वरना कार में भारी मात्रा में मादक पदार्थ ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुर थाना पुलिस और डीएसटी ने घेराबंदी की। पुलिस को देख तस्कर ने कार की रफ्तार बढ़ा दी, जिससे कार अनियंत्रित होकर हाथी भाटा आश्रम कट के पास हाइवे के डिवाइडर से जा टकराई। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे कार्यवाहक थानाधिकारी आयुष श्रोत्रिय और उनकी टीम ने क्षतिग्रस्त कार की तलाशी ली। कार के अंदर प्लास्टिक के कट्टों में भरा 101 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा पाया गया। पुलिस ने मौके से आरोपी हरदेव सिंह (39) पुत्र मानसिंह, निवासी मुबारिकपुर (अलवर) को गिरफ्तार कर लिया। कार में अवैध परिवहन के लिए कोई लाइसेंस या परमिट नहीं मिला। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ और तस्करी में प्रयुक्त वरना कार को जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

- पुलिस ने मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया

अफीम की अवैध खेती पकड़ी, एक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई की है। आसींद तहसील के झालरा गांव में पुलिस और प्रशासन को चकमा देने के लिए प्याज की फसल के बीच छिपाकर की जा रही अफीम की अवैध खेती का पर्दाफाश हुआ है। ब्यूरो की टीम ने मौके से 1098 अफीम के पौधे बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

तस्करों ने बेहद शातिराना तरीका अपनाया था। खेत में दूर से देखने पर केवल प्याज की फसल नजर आ रही थी, लेकिन जब की टीम ने धरातल पर जांच की, तो प्याज के पौधों के बीच अवैध रूप से उगाए गए अफीम के पौधे मिले। मुखबिर की सटीक सूचना पर ब्यूरो की टीम ने अचानक दबिश दी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। के अधिकारियों के अनुसार, इस गिरफ्तारी के बाद अब आरोपी से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस अवैध खेती के पीछे और कौन-कौन से चेहरे शामिल हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भीलवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में नशे के खिलाफ यह अभियान अब और तेज होगा। इस कार्रवाई ने क्षेत्र के अन्य अवैध खेती करने वालों में भी दहशत पैदा कर दी है।

50 वर्षीय व्यक्ति ने खुद पर पेट्रोल डाल आग लगाई

रामगंजमंडी, (निसं)। सुकेत थाना क्षेत्र के जुल्मी गांव में एक 50 वर्षीय व्यक्ति ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को तुरंत झालावाड़ अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

अस्पताल चौकी से मिली जानकारी के अनुसार घायल कैलाश अपनी बुआ के निधन की सूचना पर गांव आया था और वह ड्राइवरी का काम करता है। घटना के समय उसके शराब के नशे में होने की भी बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि अज्ञात कारणों के चलते उसने वाहन से पेट्रोल निकालकर खुद पर डाल लिया और आग लगा ली। मौके पर मौजूद परिजनों और आसपास के लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No.:F-2(01)Acct/Contract/2025-26/302-304 Date: 19-03-2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 90/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 368.69 लाख (08 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	24-03-2026 को प्रातः 10.00 बजे से 09-04-2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	24-03-2026 को प्रातः 10.00 बजे से 09-04-2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	10-04-2026 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN : ITU2526WSOB00495 TO ITU2526WSOB00502

अधिशाषी अभियन्ता-चतुर्थ
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/25/23456

'परिश्रम से पद मिलता है और सेवा भाव से आमजन के हृदय में स्थान'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया नवनियुक्त लोक सेवकों से संवाद

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बिडला सभागार में राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाओं के नवनियुक्त लोक सेवकों से संवाद किया।

- जनता की समस्याओं को गहराई से सुनकर तत्परता से सुलझाएं : सीएम
- प्रदेश में पानी, ऊर्जा और रोजगार के क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय कार्य : भजनलाल शर्मा
- पेपरलीक पर लगाम लगाने और समय सीमा में भर्ती के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार
- विभिन्न सेवाओं के नवनियुक्त लोक सेवकों ने मुख्यमंत्री से साझा किए अनुभव

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नव नियुक्त लोक सेवक जनता की समस्याओं को सुने, गहराई से समझे और पूरी तत्परता से सुलझाएं। यही मंत्र एक सफल, सम्मानित और लोकप्रिय अधिकारी की सच्ची पहचान है। जिस विभाग में जाएं, वहां की जमीनी हकीकत को ध्यान से समझें और समाधान की दिशा में सही कदम बढ़ाएं। जनता की हर शिकायत और आवेदन का निर्धारित समय-सीमा में समाधान हो। यह लोक सेवकों का प्रमुख दायित्व भी है। शर्मा रविवार को बिडला सभागार में राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाओं के नवनियुक्त लोक सेवकों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिश्रम वह सीढ़ी है, जो पद तक तो ले जाती है किंतु सेवाभाव वह नींव है, जो लोक सेवक को आमजन के दिलों में सदा के लिए स्थाई बनाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सबसे पहले पेयजल व सिंचाई की आवश्यकता की पूर्ति के लिए परियोजनाओं पर काम प्रारंभ किया गया, जिससे आमजन, किसान और उद्योगों की जल आवश्यकता की पूर्ति की जा सके। इसी क्रम में राम जलसेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधीकैनाल व गंगनहर, देवास परियोजना जैसे अनेक प्रोजेक्ट्स पर निरंतर काम किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि ऊर्जा की दूसरी बड़ी आवश्यकता की पूर्ति के लिए हमारी सरकार ने केन्द्र सरकार के साथ 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू किए, जिन पर काम हो रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है, जिससे किसान को दिन में और आमजन व उद्योगों को भी भरपूर बिजली मिलेगी। फिलहाल 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने के वादे को पूरा करने के क्रम में अब तक 1.25 लाख से अधिक पदों पर युवाओं को नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। 1 लाख 35 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, 1.25 लाख पदों पर भर्ती का कैलेण्डर भी जारी किया है।

उन्होंने कहा कि युवा नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि देने वाला बने, इसके लिए युवा नीति जारी की गई है। वहीं, राइजिंग राजस्थान के एमओयू के धरातल पर उतरने से लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि, उद्योग, पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा और इन्फ्रास्ट्रक्चर हर क्षेत्र में युवा अधिकारियों की सोच, नवाचार और असीमित ऊर्जा की जरूरत है।

संवाद कार्यक्रम में कुशल चौधरी, हरकंवर माली, राजश्री पारीक, मुकेश कीर, नेहा जैन और आनन्द पटेल ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के सफर और व्यक्तिगत अनुभव मुख्यमंत्री के साथ साझा किए। प्रदेश में पेपरलीक पर लगाम लगाने और समय से भर्ती परीक्षाएं आयोजित कर नियुक्ति देने के लिए सभी नवनियुक्त लोकसेवकों ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राज्य सरकार प्रदेश को कृषि क्षेत्र मेंअग्रणी, औद्योगिक निवेश का केन्द्र, हरित ऊर्जा एवं पर्यटन का वैश्विक केन्द्र बनाने की दिशा में पूर्णप्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने संवाद कार्यक्रम में नवनियुक्त लोक सेवकों को सुशासन की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, महानिदेशकहरीशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान श्रेया गुहा, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, शासन सचिव कार्मिक अर्चना सिंह सहित राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2023 के चयनित लोक सेवक उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने किया सांगानेर सीईटीपी और द्रव्यवती क्षेत्र का निरीक्षण

प्रदूषण नियंत्रण मंडल को दोषी उद्योगों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को सांगानेर स्थित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) एवं द्रव्यवती नदी क्षेत्र का निरीक्षण किया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को सांगानेर स्थित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) एवं द्रव्यवती नदी क्षेत्र का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने सांगानेर एनवायरों प्रोजेक्ट डेवलपमेंट को ब्राह्मणों की ग्वार में प्रस्तावित पंपिंग स्टेशन का निर्माण शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि शेष 134 उद्योगों को सीईटीपी से जोडा जा सके। उन्होंने सीईटीपी संचालन में आ रही तकनीकी खामियों के समाधान के लिए समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल को प्रभावी कदम उठाने को कहा, ताकि द्रव्यवती नदी में प्रदूषित जल प्रवाह की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। साथ ही सीईटीपी से जुड़े सभी वस्त्र प्रसंस्करण उद्योगों को मंडल से अनिवार्य अनुमति लेकर ही संचालन करने के निर्देश दिए गए।

सांगानेर एनवायरों प्रोजेक्ट डवलपमेंट के निदेशक प्रवीण शाह ने बताया कि 12.3 एमएलडी क्षमता वाले सीईटीपी से वर्तमान में 892 में से 758 वस्त्र प्रसंस्करण उद्योग जुड़े हैं, जबकि शेष उद्योग पंपिंग स्टेशन निर्माण के बाद जोड़े जाएंगे। यह निरीक्षण 28 मार्च को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में किया गया। इस दौरान राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव शुरू

सांसद मंजू शर्मा और विधायक कालीचरण सराफ ने वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

जयपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन पर जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव रविवार से शुरू हो गया। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा और विधायक कालीचरण सराफ ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूजा मित्तल के अनुसार यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जोधपुर-दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस (सप्ताह में छह दिन) का गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर अस्थायी रूप से ठहराव दिया गया है। निर्धारित समयानुसार गाड़ी संख्या 26481 जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 09:34 बजे गांधीनगर जयपुर पहुंचेगी और 09:36 बजे प्रस्थान करेगी। वहीं गाड़ी संख्या 26482 दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस शाम 18:37 बजे आगमन और 18:39 बजे प्रस्थान करेगी। कार्यक्रम में मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. जगदीश कुमार, रेलवे अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

चालान काटने पर परिवहन अधिकारी से हाथापाई

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में एक निजी ट्रेवल्स एजेंसी के संचालक को परिवहन विभाग की कार्रवाई इतनी नागवार गुजरी की उसने हाईवे पर बस लगाकर मुख्य मार्ग जाम कर दिया और आरटीओ इंस्पेक्टर से हाथापाई कर दी। ट्रेवल्स एजेंसी संचालक ने अपना पॉलिटिकल पावर का हवाला देते हुए परिवहन विभाग के अधिकारी को सस्पेंड करवाने की धमकी दी। जिसके बाद आरटीओ इंस्पेक्टर ने थाने पहुंच ट्रेवल्स एजेंसी संचालक के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि आरटीओ जयपुर-फर्स्ट देवेन्द्र सिंह (37) ने मामला दर्ज कराया है कि 27 मार्च की रात उडन दस्ते पर जवानों के साथ वह ड्यूटी पर तैनात थे। रात करीब 10 बजे ट्रांसपोर्ट नगर के रोटरी सर्किल पर उड़नदस्ते की ओर से वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। जयपुर से ऋषिकेश जा रही रिंकू ट्रेवल्स की सवारियों से भरी बस को चैकिंग के लिए रोका गया। बस रोकते ही उड़नदस्ते पर तैनात स्टाफ से ड्राइवर अरुण सिंह और उसके साथी दिनेश ने गाली-गलौज कर बदसलूकी की। दोनों आरोपियों की ओर से धमकाकर चालान कार्रवाई करने से रोका।

जयपुर एयरपोर्ट पर 'उडान यात्री कैफे' शुरू

- यात्रियों को मात्र 10 रुपए में मिलेगा रिफ्रेशमेंट

जयपुर । जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा के लिए 'उडान यात्री कैफे' की शुरुआत की गई है, जहां मात्र 10 रुपये में रिफ्रेशमेंट उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने रविवार को इसका वर्चुअल उद्घाटन किया।

एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 के प्री-चेक-इन प्रस्थान क्षेत्र में शुरू किए गए इस कैफे में यात्रियों को पानी, चाय, कॉफी, स्नैक्स सहित अन्य खाद्य पदार्थ किफायती दरों पर उपलब्ध होंगे। इस पहल का उद्देश्य हवाई यात्रा को आम और मध्यम वर्ग के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनाना है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'उडान यात्री कैफे' सरकार की उस सोच का हिस्सा है, जिसके तहत हवाई यात्रा को आसान और सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि किफायती दरों पर आवश्यक खाद्य और पेय पदार्थ उपलब्ध कराकर यह पहल यात्रियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करेगी। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार यह पहल 'उडान' योजना को मजबूती देने के साथ ही यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे एयरपोर्ट सेवाएं अधिक समावेशी बनेंगी।

उद्घाटन के दौरान मुख्य हवाई अड्डा सुरक्षा अधिकारी नवीन भगत, इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी सैरेम सरत कुमार, सीआईएसएफ के उप कमांडेंट देवराज और मुख्य हवाई अड्डा अधिकारी अनिमेष भट्ट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट राज्य का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है।

वित्त वर्ष 2024-25 में यहां 60 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई, जबकि प्रतिदिन करीब 120 उड़ानों का संचालन होता है।

डैशबोर्ड को स्कॉच गोल्ड अवार्ड-2025

जयपुर । राज्य के आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा विकसित फूड एवं न्यूट्रिशन सिक्योरिटी एनालिसिस डैशबोर्ड को प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 28 मार्च, 2025 को नई दिल्ली स्थित नेशनल हैबिटेट सेंटर में आयोजित स्कॉच समिट के दौरान प्रदान किया गया। राज्य की ओर से यह पुरस्कार डॉ. प्रवीण कुमार, सहायक निदेशक, एस.डी.जी. को ऑर्डिनेशन एंड एक्सीलरेशन सेंटर ने समारोह में ग्रहण किया।

यह डैशबोर्ड राज्य में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा की स्थिति का जिलेवार आकलन प्रस्तुत करता है। विश्व स्तर पर स्थापित मानकों के आधार पर तैयार यह प्लेटफॉर्म नीति-निर्माताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों को सटीक एवं विस्तृत विश्लेषण उपलब्ध कराता है, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलती है। उल्लेखनीय है कि इस डैशबोर्ड का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा वर्ष 2024 में किया गया था। यह उपलब्धि राज्य के डेटा-आधारित सुशासन एवं पोषण सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में जयपुर के किसान मुरलीधर के जीवन में सोलर पम्प से आए सकारात्मक बदलाव का जिक्र किया

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 132वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जमवारामगढ़ में पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आमजन के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। इस संस्करण में प्रधानमंत्री ने सोलर पम्प से आए सकारात्मक बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि जयपुर के किसान मुरलीधर पहले खेती के लिए डीजल पम्प पर निर्भर थे, जो काफी महंगा पड़ता था। अब उन्होंने सोलर पम्प अपनाकर ईंधन की चिंता से मुक्ति पाई है और समय पर सिंचाई होने से उनकी सालाना आय भी बढ़ गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जमवारामगढ़ स्थित पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आमजन के साथ प्रधानमंत्री मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को सुना।

इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत एक दशक से अधिक समय में देश का सामर्थ्य बढ़ा है। फिलहाल मध्य पूर्व क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रम से उत्पन्न वैश्विक संकट के बीच देश की ईंधन आवश्यकताओं को सुरक्षित एवं संतुलित बनाने के लिए जरूरी कदम भी उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश मौजूदा परिस्थितियों का एकजुटता से मुकाबला कर रहा है। सभी आमजन जागरूक रहें और अफवाहों के बहकावे में ना आएं। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पहले दिन से ही जनता की सेवा के संकल्प पर कार्य करना शुरू कर दिया था। अब तक पेश किए गए बजटों में गरीब, किसान, महिला और मजदूर सहित सभी वर्गों एवं सभी विधानसभा क्षेत्रों को उनकी विभिन्न विकास सौगातें दी गई हैं। उन्होंने कहा कि गत सरकार में युवाओं के हितों पर कुठाराघात हुआ, लेकिन हमने पेपरलीक पर लगाम लगाकर भर्ती परीक्षाओं को पूर्ण पारदर्शिता से आयोजित किया है। इस अवसर पर सांसद राव राजेन्द्र सिंह, विधायक महेंद्रपाल मीना, कुलदीप धनकड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

शातिर नकबजन पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। विद्याधर नगर पुलिस ने एक शातिर नकबजन को गिरफ्तार कर चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा किया है। पकड़ा गया आरोपी इतना शातिर है कि उस पर जयपुर के अलग-अलग थानों में नकबजनी और चोरी के करीब दो दर्जन मामले पहले से दर्ज हैं। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि वह अपने महंगे शौक और मौज-मस्ती के लिए सूने मकानों को निशाना बनाता था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि विद्याधर नगर थाना पुलिस ने एक शातिर नकबजन निखिल तलवार (48) निवासी बगरू हाल खानाबदोश जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ मालवीय नगर, शिप्रापथ, महेश नगर, वैशाली नगर, सांगानेर, ज्योति नगर और चित्रकूट सहित कई थानों में 20 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह कई मामलों में वांछित भी चल रहा था।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह केवल अपनी सुख-सुविधाओं और शौक को पूरा करने के लिए चोरी करता था। पुलिस अब आरोपी से अन्य वारदातों और चोरी के माल की बरामदगी के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

उर्वरकों के संतुलित उपयोग व जैविक खेती को बढ़ावा देने पर चर्चा

कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने पंत कृषि भवन में राज्य स्तरीय बैठक ली।

जयपुर । खरीफ-2026 के दौरान उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देने, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने पंत कृषि भवन में हाईब्रिड मोड में राज्य स्तरीय बैठक ली।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। इसमें यूरिया 3.76 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 83 हजार मीट्रिक टन, एनपीके 66 हजार मीट्रिक टन एवं एसएसपी 1.97 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। केन्द्र आगामी खरीफ के लिए राज्य को 11 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 5.10 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4 लाख मीट्रिक टन एसएसपी एवं 1.50 लाख मीट्रिक टन एनपीके आपूर्ति करेगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश का संतुलित अनुपात में उपयोग करने के साथ-साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जाए। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के विकल्प जैसे हरी खाद, कंपोस्ट, देसी खाद, जैविक उर्वरक, फसल चक्र में दलहनी फसलों के उपयोग, फसल अवशेष प्रबंधन, प्राकृतिक व जैविक खेती की विधियों पर जोर देते हुए कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है, जिसे रोकना अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में कृषि आयुक्त चिन्मयी गोपाल, निदेशक हिरेंद्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) हुशियार सिंह, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस.शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) अजय कुमार पचौरी सहित सभी आईसीएआर संस्थानों के प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रभारी, कृषि विश्वविद्यालयों के प्रसार शिक्षा निदेशक, खण्डीय अतिरिक्त निदेशक कृषि, संयुक्त निदेशक कृषि एवं जिला परिषदों के प्रतिनिधियों ने वी सी के माध्यम से भाग लिया।

65 कार्टन अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस के ''ऑपरेशन एंटी वेनम'' अभियान के तहत जमवारामगढ़ पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा निर्मित शराब से भरा कंटेनर पकड़ा है। पुलिस ने मौके से 65 कार्टन अंग्रेजी शराब जब्त कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के निर्देश पर 15 मार्च से 31 मार्च 2026 तक ड्रग्स व नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत यह सफलता हासिल हुई है। गत 28 मार्च को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह और

वृत्ताधिकारी जमवारामगढ़ रामकिशन विश्नोई के सुपरविजन में थानाधिकारी भगवान सहाय के नेतृत्व में टीम ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर दूला टोल के पास नाकाबंदी की। इस दौरान अलवर-दौसा की ओर से आ रहा एक कंटेनर पुलिस को देखकर तेज गति से भागने लगा, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया।

पूछताछ में चालक ने अपना नाम शाहरुख खान (28) निवासी धोज, जिला फरीदाबाद (हरियाणा) बताया। तलाशी के दौरान कंटेनर से 65 कार्टन हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब बरामद हुई। आरोपी वैध लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका, जिस पर पुलिस ने एक्साइज एक्ट की धारा में गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की यह खेप कहां से लाई जा रही थी और किन स्थानों पर सप्लाई की जानी थी। इस कार्रवाई को जयपुर ग्रामीण पुलिस की नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

हार्ट-लंग ट्रांसप्लांट ओपीडी का उद्घाटन

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि चिकित्सा केवल उपचार का माध्यम नहीं, बल्कि मानव जीवन के संरक्षण और संवर्धन का संवेदनशील दायित्व है। विधानसभाध्यक्ष देवनानी रविवार को जयपुर के मानसरोवर में प्रियंका हॉस्पिटल एंड कार्डियक सेंटर हार्ट और लंग ट्रांसप्लांट ओपीडी के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने कहा कि जयपुर में अत्याधुनिक हार्ट फेल्योर क्लीनिक की स्थापना प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे गंभीर हृदय रोगों के मरीजों को अब स्थानीय स्तर पर ही विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने इस पहल को चिकित्सा क्षेत्र में नई दिशा का उद्घाटन बताते हुए कहा कि इससे राजस्थान के मरीजों को बड़े महानगरों पर निर्भर नहीं रहना पडेगा।

'घायल बदमाश आकाश ने फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर फायरिंग की सुपारी ली थी'

श्रीगंगानगर में आरजू बिश्नोई के कहने पर गैंगस्टर और बिजनेसमैन को निशाना बनाने आया था

- 'आरोपी आकाश जो कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग का एक्टिव सदस्य है, जो गैंगस्टर आरजू बिश्नोई के डायरेक्शन में काम करता है'
- पुलिस ने साधुवाली चेक पोस्ट पर नाकाबंदी की और बदमाश को रोका, फायरिंग के बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आकाश घायल हो गया
- पुलिस का कहना है कि आकाश एक प्रोफेशनल शूटर है, जो रेकी के बाद बड़ी वारदात और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देता है

श्रीगंगानगर, (निसं)। मुठभेड़ में घायल बदमाश ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। आरोपी आकाश (32) लॉरेंस बिश्नोई गैंग का एक्टिव सदस्य है, जो गैंगस्टर आरजू बिश्नोई के डायरेक्शन में काम करता है। आईजी ओमप्रकाश ने पुलिस लाइन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी सोशल मीडिया के जरिए गैंगस्टर्स के कॉन्टैक्ट में रहता था। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब समेत कई राज्यों में वारदात कर चुका है।

एसपी हरिशंकर ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि आकाश ने अपने साथी शिवा गुर्जर के साथ मिलकर फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर फायरिंग करने की सुपारी ली थी। विदेश में बैठे आरजू बिश्नोई ने आकाश को यह टास्क सौंपा था। दोनों आरोपी सोशल मीडिया के जरिए आरजू के संपर्क में थे।

जानकारी के अनुसार रात करीब आठ बजे साधुवाली चेक पोस्ट पर पंजाब की तरफ से बिना नंबर प्लेट वाली बाइक पर आ रहे शूटर आकाश ने पुलिस पर तीन राउंड फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली बदमाश के पैर के आर-पार हो गई। एसपी ने बताया कि घायल आरोपी आकाश (32) पुत्र मुन्नालाल, आगरा (उत्तरप्रदेश) लॉरेंस गैंग का सदस्य है। वह गैंगस्टर आरजू बिश्नोई के डायरेक्शन में वारदात को अंजाम देता है। उसका काम रेकी करना और फायरिंग करना है। राजस्थान के हनुमानगढ़ समेत कई जिलों के अलावा, उत्तर प्रदेश, पंजाब समेत कई राज्यों में उसके खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस का कहना है कि आकाश एक प्रोफेशनल शूटर है, जो रेकी के बाद बड़ी वारदात और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देता है। श्रीगंगानगर में वह आरजू बिश्नोई के कहने पर एक गैंगस्टर और एक बिजनेसमैन को निशाना बनाने आया था। पुलिस को भनक लगते ही साधुवाली चेक पोस्ट पर नाकाबंदी की गई और बदमाश को रोका गया। फायरिंग के बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आकाश घायल हो गया। फिलहाल उसका सरकारी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

गौरतलब है कि फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर 31 जनवरी की देर रात बदमाशों ने फायरिंग की थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस ग्रुप के आरजू बिश्नोई गैंग ने ली थी। कोतवाली थाना पुलिस ने 23 मार्च को जयपुर सेंट्रल जेल से शिवा गुर्जर (20) निवासी आगरा (उत्तरप्रदेश) को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया था। शिवा गुर्जर पर भी रेकी और हथियार सप्लाई करने के मामले दर्ज है। दोनों आरोपी अच्छे दोस्त हैं और आरजू बिश्नोई के कहने पर ही वारदातों को अंजाम देते हैं। जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई इन दोनों को टारगेट्स देता है। पकड़े जाने से पहले आकाश ने हरियाणा के सिरसा, हनुमानगढ़ के भादरा और गोगामेडी इलाकों में भी गैंगस्टरों की रेकी की थी। पुलिस आकाश और शिवा से पूछताछ कर रही है।

अलवर के रामगढ़ में प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण का विरोध

रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति की बैठक में प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का विरोध किया गया।

- रामगढ़ संघर्ष समिति ने कहा कि पुल बनने से दुकानदारों और लोगों की आजीविका पर प्रभाव पड़ेगा
- व्यापारियों और स्थानीय निवासियों ने रेलवे ओवरब्रिज के बजाय अंडरपास निर्माण की मांग की

अलवर, (निसं)। रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति ने रविवार को रामगढ़ कस्बे के बस स्टैंड स्थित यादव समाज मंदिर में एक बैठक आयोजित की। इसमें नगर पालिका क्षेत्र के व्यापारी, किसान और दुकानदार शामिल हुए। बैठक में नेशनल हाइवे 248 पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का विरोध किया गया और बायपास की मांग उठाई गई।

समिति ने नेशनल हाइवे 248 पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण का कड़ा विरोध किया। सदस्यों का तर्क है कि ओवरब्रिज बनने से हाइवे के किनारे स्थित कई दुकानें और मकान प्रभावित होंगे, जिससे स्थानीय व्यापार और लोगों की आजीविका पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

हाईकोर्ट एडवोकेट संदेश खंडेलवाल ने बैठक में बताया कि नेशनल हाइवे का विस्तार कर इसे 6 लेन बनाने की योजना है। रामनगर से निवाली तक सड़क के दोनों ओर चिन्हांकन किया जा चुका है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र बिंदु से लगभग 75 मीटर तक भूमि अधिग्रहण का प्रावधान लागू हो सकता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होंगे। व्यापारियों और स्थानीय निवासियों ने सर्वसम्मति से मांग की कि रामगढ़ में रेलवे ओवरब्रिज के बजाय अंडरपास का निर्माण किया जाए। इसका उद्देश्य बाजार और रिहायशी क्षेत्रों को नुकसान से बचाना है। इसके अतिरिक्त, कस्बे के बाहर से बायपास रोड निकालने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई, ताकि भारी वाहनों का दबाव कम हो और शहर का सुनियोजित विकास हो सके।

समिति ने तर्क दिया कि अगर पहले ओवरब्रिज पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, तो भविष्य में बायपास का निर्माण संभव नहीं हो पाएगा, इसलिए दीर्घकालिक समाधान के रूप में बायपास और अंडरपास को ही बेहतर विकल्प माना गया। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इन मांगों को प्रशासन और सरकार के समक्ष मजबूती से प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि रामगढ़ कस्बे को संभावित नुकसान से बचाया जा सके। बैठक में शमशेर सिंह, रमेश चंद्र, परमजीत सिंह, मनीष खंडेलवाल, मनोज सतीजा, योगेश जैन, सुनील सोनी, सेठु गुप्ता सहित कई प्रमुख नागरिक उपस्थित थे।

भांजे को बचाने तालाब में कूदे मामा की मौत

तालाब में डूबे भांजे का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है

- गांव से करीब आधा किमी दूर तालाब पर हादसा हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के समेलिया गांव में रविवार को एक ऐसी हृदय विदारक घटना घटी, जिसने पूरे क्षेत्र को शोक के सागर में डुबो दिया। अपने ननिहाल आए एक 10 वर्षीय मासूम को डूबता देख, उसे बचाने के लिए तालाब में कूदे मामा की मौत हो गई, जबकि भांजे का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है।

जानकारी के अनुसार दरीबा निवासी कैलाश बिश्नोई का 10 वर्षीय बेटा भैरूलाल इन दिनों अपने ननिहाल समेलिया आया हुआ था। रविवार की दोपहर खुशियों भरी थी, जब भैरूलाल अपने 25 वर्षीय मामा डालचंद पुत्र भगवान लाल बिश्नोई के साथ गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित तालाब पर नहाने गया। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, दोनों ने किनारे पर कपड़े उतारे और पानी में उतरे। इसी दौरान मासूम भैरूलाल अचानक गहरे पानी की ओर चला गया और डूबने लगा। अपने भांजे को मौत के मुंह में जाते देख मामा डालचंद ने बिना अपनी जान की परवाह किए उसे बचाने के लिए गहरे पानी में छलांग लगा दी। हादसे की खबर मिलते ही समेलिया गांव में चीख-पुकार मच गई। बदहवास ग्रामीण और मांडल थाने से सब-इंस्पेक्टर रवींद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद डालचंद का शव तो निकाल लिया, लेकिन मासूम भैरूलाल अब भी लापता है। पुलिस और स्थानीय गोताखोर देर शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे रहे।

मूक-बधिर युवक से रिश्ता तय, युवती पहले से दो बार शादीशुदा निकली

सच्चाई उजागर होते ही दुल्हन और परिवार फरार, पीड़ित परिवार ने थाने में न्याय की गुहार लगाई

- बारातियों और दूल्हे के परिजनों ने मौके पर मौजूद मुख्य बिचौलिया महिला और उसके एक रिश्तेदार को पुलिस के हवाले कर दिया

श्रीगंगानगर, (निसं)। सूरतगढ़ से अबोहर पहुंची एक बारात उस समय सदमे में डूब गई, जब फेरों से ठीक पहले दुल्हन की सच्चाई सामने आ गई। जिस युवती को अविवाहित बताकर मूक-बधिर दूल्हे से रिश्ता तय किया गया था, वह पहले से दो बार शादीशुदा है और उसके एक बेटी भी है। सच्चाई उजागर होते ही दुल्हन और उसका परिवार मौके से फरार हो गया, जिसके बाद पीड़ित परिवार ने थाने पहुंच न्याय की गुहार लगाई है।

गुस्साए बारातियों और दूल्हे के परिजनों ने मौके पर मौजूद मुख्य बिचौलिया महिला और उसके एक रिश्तेदार को थाना सिटी पुलिस के हवाले कर दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि यह एक संगठित गिरोह है, जो दिव्यांगों और भोले-भाले लोगों को निशाना बनाकर लुटेरी दुल्हन के माध्यम से मोटी रकम ऐंठता है। उधर, थाना सिटी पुलिस ने पीड़ित परिवार के बयान दर्ज कर लिए हैं और पकड़े गए बिचौलियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस द्वारा फरार युवती और उसके परिजनों की तलाश की जा रही है। पीड़ित परिवार के अनुसार उनका बेटा मूक-बधिर है। इसी मजबूरी का फायदा उठाते हुए एक महिला बिचौलिया ने उनकी मुलाकात अबोहर की एक अन्य बिचौलिया महिला से करवाई। बिचौलियों ने अबोहर की एक युवती को कुंवारी बताकर रिश्ता तय करवाया। युवती के परिवार की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए एक लाख रुपए की मांग की गई, जिसे पीड़ित परिवार ने मानवता के नाते स्वीकार कर लिया और 10,500 रुपए की राशि ऑनलाइन एडवांस के तौर पर भेज भी दी। तय कार्यक्रम के अनुसार 27 मार्च को बारात अबोहर पहुंची। लड़की पक्ष ने शर्त रखी कि फेरों से पहले तहसील में दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जैसे ही तहसील परिसर में युवती के दस्तावेजों की जांच शुरू हुई तो सच सामने आने लगा। रिकॉर्ड से खुलासा हुआ कि युवती पहले ही दो शादियां कर चुकी है और उसकी एक संतान भी है। जैसे ही राज खुला, युवती और उसका परिवार तहसील परिसर से भाग निकला।

पांच सौ से अधिक बदमाश गिरफ्तार

- 1044 पुलिसकर्मी एवं अधिकारियों सहित सभी थानों की 220 पुलि टीमों ने 2010 स्थानों पर दबिश दी

उदयपुर, (कासं)। शहर पुलिस ने करीब 2010 स्थानों पर दबिश देकर 502 अपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर शहर में अपराधियों की धरपकड़ एवं अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान रविवार तड़के 1044 पुलिसकर्मी एवं अधिकारियों सहित सभी थानों की 220 पुलि टीमों ने 2010 स्थानों पर दबिश देकर 502 अपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशों को गिरफ्तार किया, जिसमें 98 स्थाई वारंटी,12 गिरफ्तारी वारंटों को निस्तारण किया। इस दौरान 408 अपराधियों को चैक किया तथा 15 प्रकरण दर्ज कर 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जिनमें आबकारी के 10 प्रकरण दर्ज कर 6 बदमाश, आर्म्स एक्ट में 3 प्रकरण दर्ज कर तीन अभियुक्त, एनडीपीएस एक्ट में 1 प्रकरण दर्ज कर एक आरोपी, एक अन्य अधिनियत का प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। इस पर एरिया डोमिनेंस की कार्रवाई के दौरान सूरजपोल क्षैत्र में 4 अवैध विद्युत कनेक्शन पाए जाने पर प्रकरण दर्ज किया।

अवैध मादक पदार्थ सहित अफीम के 1098 पौधे जब्त, दो गिरफ्तार

कोटा में केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई की

कोटा, (निसं)। मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई में अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद कर एक जने को गिरफ्तार किया। वहीं दूसरी ओर टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ अफीम के पौधे जब्त करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। उक्त दोनें कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति जिला चित्तौड़गढ़ के मड्डा सर्कल निम्बाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ हाइवे के पास अपनी मोटरसाइकिल में छिपाकर अवैध मादक पदार्थ अफीम चित्तौड़गढ़ की ओर ले जा रहा है। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठित टीम ने कड़ी निगरानी के बाद, संदिग्ध मोटरसाइकिल और व्यक्ति की पहचान की गई और उसे निम्बाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ हाइवे, तहसील निम्बाहेडा, जिला चित्तौड़गढ़ की सर्विस रोड पर मड्डा सर्कल के पास रोका गया। टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान, बैग में रखे एक पॉलीथिन बैग में छिपाकर रखी गई 03.556 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। टीम ने मौके पर अफीम और वाहन को जब्त कर लिया और एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि केन्द्रीय नारकोटिक्स (सीबएीएन) भीलवाड़ा के अधिकारियों की टीम ने जिला भीलवाड़ा के गाँव झालरा में कार्रवाई करते हुए गैर-कानूनी तरीके से उगाए गए 1098 अफीम के पौधे जब्त किए। गांव झालरा में प्याज के खेतों की आड़ में गैर-कानूनी तरीके से अफीम के पौधे उगाए हुए थे।

प्रदेश में 970 महात्मा गांधी और 134 मॉडल स्कूलों में आर्ट्स-कॉमर्स विषय का विकल्प नहीं

नतीजा यह है कि हर साल 20 से 30 फीसदी मेधावी छात्र, जो आर्ट्स या कॉमर्स लेकर आगे पढ़ना चाहते हैं, उन्हें मजबूरी में अपना स्कूल छोड़ना पड़ रहा है

- माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के नामांकन की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है

बीकानेर, (निसं)। अंग्रेजी माध्यम के प्रदेश के 970 महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय और 134 विवेकानंद मॉडल स्कूलों में 11वीं और 12वीं कक्षा में केवल विज्ञान संकाय ही संचालित है। नतीजा यह है कि हर साल 20 से 30 फीसदी मेधावी छात्र, जो आर्ट्स या कॉमर्स लेकर आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें मजबूरी में अपना स्कूल छोड़ना पड़ रहा है।

शिक्षा विभाग ने पिछले सत्र में ही 970 महात्मा गांधी स्कूलों में विज्ञान संकाय के तहत फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स और बायोलॉजी के पद स्वीकृत किए थे, लेकिन कला और वाणिज्य संकाय को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ स्थित राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल 'उपनी' जैसे प्रदेश के 134 मॉडल स्कूलों की स्थिति भी यही है। अंग्रेजी माध्यम में आर्ट्स और कॉमर्स का विकल्प नहीं होने से इन स्कूलों में 11वीं-12वीं की निर्धारित सीटें भी नहीं भर पा रही हैं। जो छात्र विज्ञान नहीं पढ़ना चाहते, उनके पास केवल दो ही रास्ते बचते हैं कि या तो वे हिंदी माध्यम के सरकारी स्कूल में लौट जाएं या फिर मोटी फीस देकर निजी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में दाखिला लें। इससे न केवल छात्रों का शैक्षणिक स्तर प्रभावित हो रहा है, बल्कि सरकारी स्कूलों के नामांकन पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के नामांकन की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। विभाग ने विशेष रूप से उन स्कूलों को चिन्हित करने को कहा है, जहां नामांकन 30 से कम है या बेहद न्यून है। बीकानेर सहित राज्य के 27 जिलों में चल रहे विवेकानंद मॉडल स्कूलों में छठी से 12वीं तक प्रत्येक कक्षा में लगभग 40 सीटें निर्धारित है। 11वीं 12वीं में केवल साइंस संकाय होने के कारण इन कक्षाओं में नामांकन भी घट रहा है। वहीं महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में 11वीं 12वीं में 60-60 सीटें निर्धारित है। बीकानेर के उपनी मॉडल स्कूल में 11वीं व 12 कक्षा में सीटें रिक्त हैं।

सरकार का विजन केवल विज्ञान तक सीमित नजर आता है। आज के दौर में सिविल सर्विसेज, क्लैट और सीए जैसे करियर के लिए छात्र आर्ट्स और कॉमर्स को प्राथमिकता दे रहे हैं। इंग्लिश मीडियम स्कूलों में इन विषयों का न होना यह दर्शाता है कि पॉलिसी बनाने वालों ने छात्रों की रुचि और करियर डायवर्सिटी का ध्यान नहीं रखा। यह खामी छात्रों की मुसीबत और स्कूल छोड़ने की बड़ी वजह बन रही है।

बूचारा बांध से निकलने वाली पावटा की 100 साल पुरानी नहर का अस्तित्व संकट में

गंदगी, अतिक्रमण और प्रशासनिक उदासीनता के कारण नहर कचराघर में तब्दील हो चुकी है।

- कभी 15 से अधिक गांवों के खेतों की प्यास बुझाने वाली और क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाती थी यह नहर
- अतिक्रमण बढ़ने से नहर अब कई स्थानों पर 50 फीट चौड़ाई से सिमटकर मात्र 10 फीट या उससे भी कम रह गई है

पावटा, (निसं)। बूचारा बांध से निकलने वाली पावटा की करीब 100 साल पुरानी ऐतिहासिक नहर आज अपनी पहचान खोने के कगार पर पहुंच गई है। कभी 15 से अधिक गांवों के खेतों की प्यास बुझाने वाली और क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली यह नहर अब गंदगी, अतिक्रमण और प्रशासनिक उदासीनता के कारण कचराघर में तब्दील हो चुकी है। नहर का मुख्य उद्देश्य किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना था, लेकिन वर्तमान में हालात यह हैं कि नहर के अधिकांश हिस्सों में प्लास्टिक, घरेलू कचरा और सड़ा-गला अपशिष्ट भरा पड़ा है। चारों ओर फैली दुर्गंध के कारण राहगीरों को नाक ढककर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय दुकानदार, निवासी और वाहन चालक रोजाना इस समस्या से परेशान हैं। स्थिति को और गंभीर बना रहा है आवारा पशुओं का जमावड़ा, जो नहर में पड़े कचरे में मुंह मारकर कचरे को फैलाकर संक्रमण का खतरा बढ़ा रहे हैं। बरसात के दौरान यही गंदगी सड़कर बीमारियों को जन्म देती है, जिससे आसपास के लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ रहा है। वहीं नहर के पास ही विद्यालय और बस स्टैंड स्थित हैं, जहां से रोजाना सैकड़ों विद्यार्थी और यात्री गुजरते हैं। इसके बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की नजर इस गंभीर समस्या पर नहीं पड़ रही है।

जानकारों के अनुसार, यह नहर कभी सिंचाई और पेयजल व्यवस्था की मुख्य धुरी थी। समय के साथ देखरेख के अभाव में नहर पर अतिक्रमण बढ़ता गया और अब कई स्थानों पर यह 50 फीट चौड़ाई से सिमटकर मात्र 10 फीट या उससे भी कम रह गई है। कई जगह तो नहर का स्वरूप पूरी तरह नाली जैसा हो गया है। सरकार द्वारा नहरों के संरक्षण के लिए हर वर्ष करोड़ों रुपए का बजट स्वीकृत किया जाता है, लेकिन पावटा की इस नहर की स्थिति जमीनी हकीकत को उजागर करती है। स्थानीय निकायों की निगरानी की कमी के कारण लोग खुलेआम कचरा डाल रहे हैं, जिससे यह ऐतिहासिक धरोहर खत्म होने की कगार पर है।

सिंचाई विभाग के एईएन शैलेन्द्र चौधरी के अनुसार वर्ष 2025 में हुई स्लैक मीटिंग में नहर के सौंदर्यीकरण व सुधार कार्य के लिए 4.85 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे, लेकिन बजट के अभाव में अब तक प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी नहीं हो पाई। इसी कारण नहर के सुधार कार्य ठप पड़े हुए हैं। यदि समय रहते नहर की सफाई, अतिक्रमण हटाने और पुनरुद्धार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो जल्द ही यह ऐतिहासिक नहर सिर्फ कागजों और यादों तक सीमित रह जाएगी।

जेवर व नकदी चोरी, दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के नाई थाना पुलिस ने सूने मकान का ताला तोड़ कर जेवर व नकदी चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित प्रखिल राठौड़ पुत्र जगतसिंह राठौड़ निवासी अमृत श्रीनगर नोहरा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 27 मार्च को मैं घर से बाहर गया था। वापस लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं तलाशी ली तो चांदी की पायल व 10 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपाधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में नाई थानाधिकारी मुकेश सोनी के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी दिनेश कुमार ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी गोविंद नाथ उर्फ माजा पुत्र गोटूनाथ कालबेलिया निवासी इन्द्रा कॉलोनी गोवर्धन विलास तथा विनोद उर्फ बाखा पुत्र अमराजी कालबेलिया निवासी इन्द्रा कॉलोनी गोवर्धन विलास को गिरफ्तार किया। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

दुकान में आग लगने से लाखों का सामान जला

- आग इतनी भीषण थी कि दुकान की छत गिर गई और लपटें आसपास की दुकानों की ओर बढ़ने लगी

बीकानेर, (निसं)। लूणकरणसर तहसील क्षेत्र में महाजन उप तहसील के अर्जुनसर गांव के मुख्य बाजार में रविवार को सुबह सात बजे एक दुकान में भीषण आग लग गई। आग की लपटें पास की दूसरी दुकानों तक पहुंची। आग की इस घटना में लाखों रुपए के नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार अर्जुनसर सरपंच सुमन गवारिया के पति पवन गवारिया की दुकान में अचानक आग लग गई। आग लगते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के दुकानदार व स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। फायर ब्रिगेड के समय पर नहीं पहुंचने के कारण स्थानीय नागरिकों ने अपने स्तर पर ही आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग बुझाने के लिए ग्रामीणों को काफी संघर्ष करना पड़ा। आग अचानक भड़की और तेजी से फैलने लगी। सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और किसान मौके पर पहुंचे। पानी के टैंकर और स्प्रे मशीनों (ढोल) के जरिए आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि दुकान की छत गिर गई और लपटें आसपास की दुकानों की ओर बढ़ने लगीं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस आगजनी में करीब 10 से 15 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। दुकान में रखा सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

घटना के दौरान क्षेत्र में फायर ब्रिगेड की अनुपलब्धता साफ नजर आई। बताया जा रहा है कि फायर ब्रिगेड करीब तीन घंटे की देरी से मौके पर पहुंची, तब तक स्थानीय लोग ही आग पर काफी हद तक काबू पा चुके थे। इस घटना के बाद महाजन व आसपास के क्षेत्रों में फायर ब्रिगेड की कमी को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि समय पर दमकल पहुंचती तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था।

मुझे ऐसा लगा जैसे पैर ने बाउंड्री स्पंज को छुआ हो, ये आरसीबी के लिए एक बड़ा फैसला है। समझ नहीं आता कि आप ये कैसे बता सकते हैं और पूरी तरह से पक्का कर सकते हैं कि पैर का कोई हिस्सा स्पंज को नहीं छुआ है.. और स्पंज हिल गया... थोड़ा सा इशारा...। – **माइकल वॉन**

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान, थर्ड अंपायर के फैसले को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **सुनील गावस्कर**

बीसीसीआई ने ऐसे खिलाड़ियों के लिए नियम बनाए हैं। जो खिलाडी नीलामी में बिकने के बाद अगर टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का बैन लगता है। हालांकि, सुनील गावस्कर इससे भी खुश नहीं है। इस पूर्व भारतीय कप्तान ने बीसीसीआई से और सख्त नियम बनाने की अपील की है। सुनील गावस्कर ने कहा कि, ये एक मुश्किल मामला है। साफ तौर पर बेन डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें द हंड्रेड की नीलामी में उतनी बडी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो शायद हालात कुछ और होते।

क्या आप जानते हैं ?... विराट कोहली टी-20 में एशिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं और रोहित शर्मा वनडे में तीन दोहरे शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

मुंबई इंडियंस ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, कोलकाता को वानखेड़े में हराया

रोहित व रेयान के बीच पहले विकेट के लिए 148 रन की साझेदारी

मुंबई, 29 मार्च। मुंबई इंडियंस ने रविवार को आईपीएल 2026 के दूसरे मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया। रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आईपीएल में ये किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने वानखेड़े स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए अजिंक्य रहाणे की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 220 रन बनाए, इसके जवाब में मुंबई इंडियंस की टीम रोहित शर्मा और रयान रिकल्टन के बीच शतकीय साझेदारी की मदद से 5 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। मुंबई ने 19.1 ओवर में 4 विकेट खोकर 224 रन बनाए। मुंबई की ओर से रोहित ने 78 और रिकल्टन ने 81 रन की पारी खेली।

मुंबई इंडियंस ने 221 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दमदार शुरुआत की। पावरप्ले में टीम ने बिना विकेट गंवाए 80 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 38 गेंद में 78 रन की पारी खेली। रोहित और रेयान के बीच पहले विकेट के लिए 148 रन की साझेदारी हुई। सूर्यकुमार ने 8 गेंद में 16 रन बनाए। रिकल्टन ने 43 गेंद में 81 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वह रन आउट हुए। तिलक 14 गेंद में 20 रन बनाकर आउट हुए। नमन और हार्दिक क्रीज पर मौजूद हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 220 रन बनाए। कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सर्वाधिक 67 रन बनाए। मुंबई की ओर से शार्दुल ठाकुर ने तीन विकेट लिए।

मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर के लिए कप्तान अजिंक्य रहाणे और फिन ऐलन की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 69 रन जोड़े। छठें ओवर में शार्दुल ठाकुर ने फिन ऐलन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। फिन ऐलन ने 17 गेंदों में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 37 रनों की पारी खेली। नौवें ओवर में शार्दुल ने कैमरुन ठीन (18) का शिकार कर लिया।

14वें ओवर में शार्दुल ठाकुर ने अजिंक्य रहाणे को आउट कर केकेआर को तीसरा झटका दिया। रहाणे ने 40 गेंदों में तीन चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 67 रनों की पारी खेली। 19वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने अंगकृष रघुवंशी को कैच आउट करा दिया। अंगकृष रघुवंशी ने 29 गेंदों में छह चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 51 रन बनाये। केकेआर ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 220 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। रिंकू सिंह ने 21 गेंदों में चार चौकों की मदद से नाबाद 33 रन बनाये। मुंबई इंडियंस के लिए शार्दुल ठाकुर ने 39 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। कप्तान हार्दिक पंड्या को एक विकेट मिला।

चेन्नई सुपरकिंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच भिड़ंत आज

आमने-सामने होंगे संजू-जडेजा

नई दिल्ली, 29 मार्च। पिछले एक दशक से अधिक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रहे संजू सैमसन अब आईपीएल के मैच में सोमवार को उसी टीम के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में नजर आयेंगे जबकि चेन्नई टीम का हिस्सा रहे रविंद्र जडेजा अब रॉयल्स के लिये खेलने जा रहे हैं। पिछले दस साल से अधिक समय से सैमसन रॉयल्स टीम के कप्तान और स्टार बल्लेबाज रहे हैं। उनकी कप्तानी में रॉयल्स 2022 में फाइनल तक पहुंची थी। जिस तरह से चेन्नई की पहचान महेंद्र सिंह धोनी हैं, वैसे ही रॉयल्स की पहचान सैमसन बन गए थे लेकिन इस सत्र से पहले हुई अदला बदली में अब जडेजा रॉयल्स के लिये खेलेंगे और भारत की टी20 विश्व कप जीत के नायक रहे सैमसन चेन्नई टीम का हिस्सा होंगे।

सैमसन ने टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी तीन मैचों में 50 से अधिक रन बनाकर भारत की खिताबी जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाई। वह चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरूआत करेंगे और टीम के कोर नेतृत्व का भी हिस्सा होंगे चूंकि धोनी फिटनेस कारणों से कम से कम दो सप्ताह नहीं खेल पायेंगे। धोनी टीम के साथ गुवाहाटी नहीं आये हैं और उनकी गैर मौजूदगी में सैमसन तथा गायकवाड़ पर नजरें रहेंगी।

धोनी की गैर मौजूदगी में 20 साल के बायें हाथ के स्पिनर हरफनमौला प्रशांत वीर को मौका मिल सकता है जिन्होंने घरेलू टी20 मैचों में प्रभावित किया। उनके अलावा 14 .2 करोड़ रूपये में खरीदे गए कार्तिक शर्मा भी फोकस में होंगे जो घरेलू सर्किट में छक्के लगाने के अपने हुनर के लिये जाने जाते हैं। चेन्नई की बल्लेबाजी मजबूत लग रही है चूंकि डेवाल्ड ब्रेविस अब परिपक्व हो चले हैं जबकि शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी तेजी से निखरते जा रहे हैं।

गेंदबाजी में नूर अहमद , अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद जिम्मेदारी संभालेंगे। रॉयल्स के लिये सैमसन का जाना एक युग का अंक है और रियान पराग की कप्तानी में एक नये दौर की शुरूआत है जो अपने घरेलू मैदान से कप्तानी की शुरूआत करेंगे। जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढा है। उनकी बल्लेबाजी का दारोमदार यशस्वी जायसवाल पर रहेगा। उनके साथ युवा वैभव सूर्यवंशी और फॉर्म में चल रहे शिमरोन हेटमायेर हैं। रॉयल्स के लिये चिंता का सबब उसकी गेंदबाजी है। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं लेकिन जोफ्रा आर्चर की अगुवाई में तेज गेंदबाजों को निरंतरता पर काम करना होगा। स्पिन का जिम्मा जडेजा और रवि बिश्नोई संभालेंगे। पिछले सत्र में चेन्नई आखिरी स्थान पर और रॉयल्स नौवें स्थान पर रही थी।

टीमें : राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा। **चेन्नई सुपर किंग्स :** रूतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

आईपीएल 2026 : चेन्नई सुपरकिंग्स की टेंशन बढ़ी, धोनी के बाद डेवाल्ड ब्रेविस भी हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली, 29 मार्च। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अपना अभियान राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 30 मार्च, सोमवार से करेगी। इस मुकाबले के 24 घंटे पहले टीम के लिए एक और चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, पहले एमएस धोनी और अब डिवाल्ड ब्रेविस कुछ मैचों से बाहर हो सकते हैं। डेवाल्ड ब्रेविस साइड स्ट्रेन से परेशान हैं। जिस कारण वह शुरुआती दो-तीन मैच मिस कर सकते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स अपना पहला मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। फिर 3 अप्रैल को टीम पंजाब किंग्स और 5 अप्रैल को आरसीबी से भिड़ेगी। इन मैचों से एमएस धोनी का बाहर होना लगभग तय है। वहीं अब ब्रेविस को लेकर भी सस्पेंस है कि वह शुरुआती तीन मुकाबले खेल पाएंगे या नहीं। डेवाल्ड ब्रेविस अगर बाहर हुए तो ये चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बहुत बड़ा झटका हो सकता है। इससे पहले नाथन एलिस पूरे सीजन से बाहर हुए थे।

मुख्यमंत्री ने हॉफ मैराथन का किया फ्लैग ऑफ

युवा अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाएं और देश-प्रदेश के विकास में योगदान दें : मुख्यमंत्री

जयपुर, 29 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तन और मन से स्वस्थ रहना सुखी जीवन का मूल आधार है। हमारा देश युवाओं का देश है और इसी युवा तरुणाई को सिंचित रखने के लिए स्वस्थ रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब युवा बढ़ेगा तभी समाज और राष्ट्र आगे बढ़ेगा। ऐसे में युवा अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाएं और अपने उद्देश्यों की पूर्ति करते हुए देश-प्रदेश के विकास में योगदान दें।

शर्मा रविवार को जयपुर के अजमेर रोड स्थित महिन्द्रा वर्ल्ड सिटी में द टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित हाफ मैराथन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए सरकारी और निजी नौकरियों के साथ स्वरोजगार के अधिकाधिक अवसर प्रदान कर राज्य सरकार ने सवा दो साल में उनका भविष्य सुरक्षित करने का कार्य किया है। श्री शर्मा

ने आ ान करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य में सरकार की योजनाएं और नीतियां युवाओं पर केंद्रीत हैं। युवा इनका स्वयं भी लाभ उठाएं और अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का प्रयास करें।

मुख्यमंत्री ने हाफ मैराथन का फ्लैग ऑफ करने के बाद पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस दौरान द टाइम्स ऑफ इंडिया के डायरेक्टर अनुराग अग्रवाल, महिन्द्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड के एमडी-सीईओ अमित कुमार सिन्हा सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। मैराथन में लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

चंबल स्पोर्ट्स ने सुराना एकेडमी को हराया

जयपुर, 29 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में खेले गए मैच में चंबल स्पोर्ट्स ने सुराना एकेडमी को 8 विकेट से हराया। सुराना एकेडमी ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रेया जोशी के 28 रन, नेहा सैनी के 18 रन, रिधिमा शेखावत के 26 रन व भूमिका जांगिड़ के 17 रनो से 42 ओवर में 128 रन बनाए। चंबल स्पोर्ट्स के लिए खुशी जैन ने 28 पर 3, सोनम सैनी ने 9 पर 2, अर्शील ने 25 पर 2 व अर्चना योगी ने 7 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में चंबल स्पोर्ट्स ने चंद्र ज्योत्सना भाटी के 33 रन, मिताली राज के 17 रन व अर्शील के नाबाद 48 रनो से 26.2 ओवर में 2 विकेट पर 129 रन बनाकर मैच जीत लिया। सुराना एकेडमी के लिए आरजू विश्नोई व आकृति यादव ने एक - एक विकेट लिया।

19वीं जूनियर राज्य वुशू प्रतियोगिता में जयपुर ने 172 अंकों के साथ जीती ओवरऑल ट्रॉफी

जयपुर, 29 मार्च। राजस्थान वूशू संघ एवं बीकानेर वूशू संघ के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 27 से 29 मार्च तक डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में आयोजित 19वीं राजस्थान जूनियर (बालक /बालिका) राज्य वुशु प्रतियोगिता 2026 का रविवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में करण प्रताप सिंह सिसोदिया, प्रदेश अध्यक्ष, करणी सेना ने शिरकत की। एवं प्रतियोगिता की अध्यक्षता हीरानन्द कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वूशू संघ ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप मे विजय सर्राफ, महासचिव भारतीय वूशू संघ, विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वूशू संघ, राजेश कुमार टेलर, प्रशिक्षक भारतीय वूशू टीम एवं हरिओम पुरोहित, फाउन्डर, होटल अम्बरबाल समूह मोजूद रहे। आयोजन सचिव गणेश कुमार हर्ष ने अतिथियों को साफा पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा। प्रथम स्थान (ओवरऑल चैंपियन): जयपुर - 172 अंक, द्वितीय स्थान (रनर-अप): हनुमानगढ़ - 30 अंक, तृतीय स्थान (सेकंड रनर-अप): चुरू -17 अंक, बेस्ट अनुशासित टीम: बीकानेर , बेस्ट प्लेयर (बालक वर्ग): आशु (हनुमानगढ़), बेस्ट प्लेयर (बालिका वर्ग): हिमांगी नेगी (जयपुर)

कार्यक्रम के अंत में डॉ. पुष्पा शर्मा, अध्यक्ष, बीकानेर वुशू संघ ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सभी जिलों से आए खिलाड़ियों, टीम कोच, मैनेजर, निर्णायक मंडल और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी खेल प्रेमियों व मीडियाकर्मियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

भारतीय वृशू संघ की जैसलमेर में आयोजित होने वाली साधारण सभा की वार्षिक बैठक मे हीरानन्द कटारिया भाग लेंगे। भारतीय वूशू संघ की साधारण सभा की वार्षिक बैठक कल होटल लीला, जैसलमेर में आयोजित की जाएगी। राजस्थान वूशू संघ की सचिव श्रीमती ममता वर्मा ने बताया कि कल दिनांक 30 मार्च को शाम 4 बजे मीटिंग रखी जाएगी जिसमें भारतीय वूशू संघ के उपाध्यक्ष व राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया भाग लेंगे।

इस उम्र में भी विराट को अंदर जो भूख है वो वाकई में अजीब और हैरान करने वाली है : आर. अश्विन

नई दिल्ली, 29 मार्च। आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच जो हुआ उसे देखकर हर कोई हैरान है। इस दौरान सबसे ज्यादा विराट कोहली सुर्खियों में रहे, इस मुकाबले में कोहली की एनर्जी को देखकर आर अश्विन भी उनके कायल हो गए। अश्विन ने कहा कि इस उम्र में भी विराट को अंदर जो भूख है वो वाकई में अजीब और हैरान करने वाली है। मैच में कोहली ने पहले तो 20 ओवर फील्डिंग की लेकिन जब बैटिंग की बारी आई तो उन्होंने अकेले दम पर मैच जिताकर ही दम लिया। अश्विन ने मैच के बाद बातचीत में एक मजेदार वाक्या शेयर किया। उन्होंने कहा कि, मुझे इस क्रम में विराट को देखकर अजीब लगता है। मैं कभी-कभी उसे टोकता भी हूं। वो 40 के आसपास पहुंच रहा है एक अच्छी पार्टनरशिप चल रही थी और आरसीबी मजे में थी। लेकिन तभी विराट ने एक सिंगल लिया और दूसरा रन लेने के लिए इतनी तेजी से भागा कि दूसरा बल्लेबाज अभी आधा रास्ता भी पार नहीं कर पाया था। अश्विन के मुताबिक लेग साइड की बाउंड्री सिर्फ 57 मीटर की थी, फिर भी विराट कोहली का हर रन के लिए वो जोश दिखाना बताता है कि वो गेम को लेकर कितने सीरियस हैं।

कृष्णा की जीत में रवि का ऑलराउंड खेल व राहुल की उम्दा गेंदबाजी

जयपुर, 29 मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित चतुर्थ डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज कृष्णा क्रिकेट एकेडमी ग्राउण्ड में खेले गये क्वार्टर फाईनल मैच में कृष्णा क्रिकेट एकेडमी रवि शर्मा 37 रन व 33 रन पर 4 विकेट तथा राहुल सिंह 17 रन पर 3 विकेट, ऋषभ मोदी 20 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत संस्कार क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर सेमी फाईनल में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर कृष्णा क्रिकेट एकेडमी ने पहले क्षेत्र रक्षण का निर्णय लिया। संस्कार एकेडमी की और से अभिषेक यादव 25 रन, एजाज 24 रन, आरव कुमार 19 रन छोड़कर कोई भी बल्लेबाज कृष्णा क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों रवि शर्मा 37 रन व 33 रन पर 4 विकेट तथा राहुल सिंह 17 रन पर 3 विकेट, ऋषभ मोदी 20 रन पर 2 विकेट के समक्ष बिलकुल नहीं टिक सकें और पूरी टीम 99 रन पर सिमट गयी।

जवाबी पारी में कृष्णा क्रिकेट एकेडमी ने रवि शर्मा 37 रन, भवानी सुथार 31 रन, देवांश सिंह 14 रन व जितेन्द्र यादव 11 रन नाबाद की मदद से विजय लक्ष्य 101 रन 3 विकेट खोकर 11.3 ओवर में हासिल कर 7 विकेट से जीत दर्ज की। संस्कार क्रिकेट एकेडमी की और से राजवीर सिंह राठौड़ 17 रन पर 2 विकेट तथा अभिषेक यादव 38 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच रवि शर्मा कृष्णा क्रिकेट एकेडमी रहे।

सबालेंका ने जीता मियामी ओपन, कोको गॉफ को हराकर लगातार दूसरी बार जीता खिताब

नई दिल्ली, 29 मार्च। आर्यना सबालेंका ने मियामी ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफी को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। इगा स्वियाटेक के बाद सबालेंका सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं।आर्यना का ये लगातार दूसरा मियामी ओपन खिताब है। इससे पहले ऐश बार्टी और सेरेना विलियम्स ही लगातार ये टूर्नामेंट जीत पाई थीं। इस तरह सबालेंका ने दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह बना ली है। सबालेंका एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी में सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका से पहले स्टेफी ग्राफ, किम क्लिस्टर्स, विक्टोरिया अजारेंका और इगा स्वियाटेक ये कारनामा कर चुकी हैं। सबालेंका 2000 के बाद से चौथी खिलाड़ी हैं जो साल के अपने पहले चार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची। उनसे पहले मार्टिना हिंगिस-2001, सेरेना विलियम्स-2003 और विक्टोरिया अजारेंका-2012 के फाइनल में पहुंची हैं। वहीं खिताब जीतने के बाद सबालेंका ने कहा कि, ये खिताब काफी खास है। मेरा लक्ष्य हमेशा इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना रहा है।

सरकार ने फिर बदला आरसीए एडहॉक कमेटी का कन्वीनर

कुमावत को हटाकर मोहित यादव को बनाया आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर, 9वीं बार बढ़ाया कार्यकाल

जयपुर, 29 मार्च। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी में राज्य सरकार ने एक फिर बदलाव किया है। कमेटी कन्वीनर के साथ ही कुछ सदस्यों को भी बदला गया है। सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार कार्यालय के आदेशानुसार मोहित यादव (अलवर जिला क्रिकेट संघ) को आरसीए एडहॉक कमेटी का संयोजक (कन्वीनर) नियुक्त किया गया है व साथ ही धनञ्जय सिंह खींवसर (जोधपुर जिला क्रिकेट संघ), आशीष तिवाड़ी (सीकर जिला क्रिकेट संघ), अर्जुन बेनीवाल (हनुमानगढ़ जिला क्रिकेट संघ) व अरिष्ट सिंघवी (जोधपुर जिला क्रिकेट संघ,पूर्व रणजी व आईपीएल खिलाडी, राजस्थान) आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य होंगे। डीडी कुमावत की जगह भाजपा विधायक जसवंत यादव के बेटे मोहित यादव को कन्वीनर नियुक्त किया गया है। कमेटी में दो नए चेहरों को

आशीष तिवाड़ी

अरिष्ट सिंघवी

शामिल किया है। इनमें पूर्व मंत्री चंद्रराज सिंघवी के पोते अरिष्ट सिंघवी और हनुमानगढ़ के भादरा से विधायक संजीव बेनीवाल के बेटे अर्जुन बेनीवाल को सदस्य बनाया गया है। नई एडहॉक कमेटी में स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह खींवसर, बीजेपी सांसद घनश्याम तिवाड़ी के बेटे आशीष तिवाड़ी को फिर जगह दी गई है। सरकार ने 9वीं बार एडहॉक कमेटी का कार्यकाल बढ़ाया है।

मोहित यादव (कन्वीनर)

दो वर्ष से कमेटी का कार्यकाल बढ़ा रही सरकार

दरअसल, आरसीए की निर्वाचित कार्यकारिणी को भंग किए जाने के बाद से भजनलाल शर्मा सरकार पिछले दो वर्ष से लगातार एडहॉक कमेटी का कार्यकाल बढ़ाती आ रही है। 9वीं बार एडहॉक कमेटी का कार्यकाल बढ़ाया गया है। इस दौरान संघ के चुनाव लंबित हैं। अब एक बार फिर कमेटी में बड़े बदलाव करते हुए मौजूदा कन्वीनर दीनदयाल कुमावत को पद से हटा दिया गया है। उनके साथ ही भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पिंकेश जैन को भी एडहॉक कमेटी से बाहर कर दिया गया है।

धनंजय सिंह

अर्जुन बेनीवाल

नई कमेटी का कार्यकाल 3 माह का

सरकार की ओर से गठित इस नई एडहॉक कमेटी का कार्यकाल 3 महीने निर्धारित किया गया है। इस अवधि के दौरान कमेटी के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी पिछले दो साल से लंबित आरसीए के चुनाव करवाने की होगी। ऐसे में आने वाले समय में आरसीए की सियासत और तेज होने के आसार हैं। इस फैसले को आरसीए में प्रशासनिक पुनर्गठन और चुनावी प्रक्रिया को गति देने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि नए सदस्यों के चयन को लेकर राजनीतिक चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। कुछ लोग ऐसे बीजेपी की अंदरूनी सियासत का नतीजा बता रहे हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का विवाद एक बार फिर कोर्ट तक पहुंच सकता है।

आर लीग ए डिवीजन फुटबॉल लीग

सनराइज एफसी की 11-2 से धमाकेदार जीत, मुकेश के 5 गोल

जयपुर, 29 मार्च। राजस्थान फुटबॉल संघ व पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आर लीग ए डिवीजन फुटबॉल लीग में रविवार को खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। दिन के अंतिम मैच में सनराइज फुटबॉल क्लब ने जेरठी फुटबॉल क्लब को 11-2 से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। सनराइज के मुकेश ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 5 गोल दागे। मैच के पहले ही मिनट में मुकेश ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 17वें, 21वें और 31वें मिनट में लगातार गोल कर उन्होंने चार गोल पूरे किए। सुफियान ने 34वें और 36वें मिनट में दो गोल कर मध्यांतर तक टीम को 6-0 से आगे कर दिया। दूसरे हाफ में आशीष (52वें मिनट), कुशाग्रराज (61वें मिनट), प्रतीक (85वें मिनट), मुकेश (86वें मिनट) और भूपेंद्र सिंह (90वें मिनट) ने गोल किए। जेरठी की ओर से देवराज (75वें मिनट) और फरहान (83वें मिनट) ने गोल किए। इससे पहले प्रथम खेले गए मैच में जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब ने ब्रदर यूनाइटेड को 4-1 से हराया। जयपुर सिटी के महिपत सिंह ने तीन गोल कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, जबकि आशीष ने एक गोल किया। ब्रदर यूनाइटेड की ओर से विजय चौधरी ने एकमात्र गोल दागा। द्वितीय मुकाबले में जिंक फुटबॉल अकादमी ने रिहान फुटबॉल क्लब को 4-0 से हराया। जिंक की ओर से करण ने दो गोल किए, जबकि संदीप और रियाज ने एक-एक गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत के अनुसार, 20 मार्च से शुरू हुई इस लीग में कुल 42 मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता के तहत 1 अप्रैल को तीन और मुकाबले खेले जाएंगे।

कांग्रेस नेताओं की लूट व झूठ की कहानी हर कोई जानता है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जमवा रामगढ़ में ''मन की बात'' सुनने के बाद आमजन को संबोधित किया

जयपुर, 29 मार्च 2026। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जमवारामगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण करने के पश्चात आमजन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता को अपनी ही सरकार के खिलाफ अजमेर से जयपुर पैदल मार्च निकालना पड़ा था। उनके पैर के छालों की लाज हमने रखी, पेपर लीक पर लगाम लगा दी व माफियाओं को जेल भेजा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जमवारामगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना और आमजन को संबोधित किया।

सभी को याद है, कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता को अपनी ही सरकार के खिलाफ अजमेर से जयपुर पैदल मार्च निकालना पड़ा था। उनके पैरों में छाले पड़ गए थे, उनकी पार्टी के नेताओं ने तो उन्हें 'नकारा निकम्मा' कहकर अपमानित किया था, लेकिन हमने उनके उन छालों की भी लाज रखी और माफियाओं को जेल भेजा और पेपरलीक पर लगाम लगा दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता ने इंतजार शास्त्र की बात करने वालों का झूठ का शास्त्र, भ्रष्टाचार का शास्त्र और जेजेएम घोटाला देखा है। उन्होंने कहा कि समय बड़ा बलवान है। कांग्रेस सरकार में जिनको नकारा निकम्मा कहा, आजकल उनकी दिल्ली में बहुत चल रही है। इस कारण इंतजार शास्त्र वाले तड़प रहे हैं। जैसा किया है, वैसा भरना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और बड़े नेताजी अपने बेटों को आज भी लॉन्च करने में ही लगे हुए हैं। कांग्रेसी नेता आज भी आपस में लड़ रहे हैं। इनकी लूट और झूठ की कहानी हर कोई जानता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर आज कल कोई इंतजार शास्त्र चला रखा है। लेकिन निगाहें कहीं और निशाना कहीं और चल रहा है। ये उनकी तड़प है कि दिल्ली का उनका आलाकमान बेरुखी दिखा रहा है और असल में तो उन्हें बुलावे का इंतजार है।

बरनाला में मकान गिरने से तीन मजदूरों की मौत

बरनाला, 29 मार्च। पंजाब के बरनाला जिले के गांव फरवाही में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। यहां जैक की मदद से ऊपर उठाया जा रहा एक मकान अचानक भरभराकर गिर गया, जिससे उसके अंदर सो रहे तीन मजदूर मलबे में दब गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ये पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई। हादसे के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। गुरुद्वारा साहिब से अनाउन्समैंट करके लोगों को मदद के लिए बुलाया गया। ग्रामीणों ने मलबा हटाकर तीनों मजदूरों के शव बाहर निकाले। गांव के सरपंच जगसीर सिंह के अनुसार, विशाल कुमार के मकान को जैक की मदद से ऊपर उठाने का काम पिछले कई सप्ताह से चल रहा था। इसके लिए मोगा के एक ठेकेदार को जिम्मेदारी दी गई थी। काम में चार मजदूर लगे हुए थे, जो दिनभर काम करने के बाद उसी मकान में सो जाते थे। शनिवार रात भी तीन मजदूर वहीं सो रहे थे, जबकि एक अपने घर चला गया था। डीएसपी सतवीर सिंह ने बताया कि मकान की नींव में सीवरेज का पानी जाने के कारण वह एक तरफ से कमजोर हो गया था।

ईरान के मिसाइल हमले से इज़रायल के कैमिकल हब में आग लगी

कैमिकल रिसाव की आशंका के कारण इज़रायल ने लोगों को घर में बंद रहने की सलाह दी

■ **नियोत होवाव औद्योगिक क्षेत्र इज़रायल का प्रमुख कैमिकल हब है। यहाँ खतरनाक रसायनों का उत्पादन व भंडारण होता है। इस इलाके पर हमले को सिर्फ सैन्य ही नहीं, पर्यावरण व नागरिक सुरक्षा के लिए भी बहुत संवेदनशील माना जाता है।**

तेल अवीव, 29 मार्च। ईरान ने इज़रायल के प्रमुख केमिकल हब पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। इससे वहां भीषण आग लग गई है। दक्षिणी इज़रायल के नियोत होवाव औद्योगिक क्षेत्र में ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद लगी आग से केमिकल रिसाव की आशंका से सुरक्षा एजेन्सियाँ अलर्ट हो गई हैं। नियोत होवाव पर हुए इस हमले से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए, जिनमें धुएं का भारी गुबार उठता नजर आ रहा है।

इज़रायली मीडिया आउटलेट, द टाइम्स ऑफ इज़रायल के अनुसार, दमकल और बचाव दल क्षतिग्रस्त स्टोरेज यूनिट्स को सील करने और स्थिति को काबू में लाने में जुटे हैं। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। आसपास के लोगों को घरों में रहने और खिड़कियां बंद रखने की सलाह दी गई है। आईडीएफ ने भी लोगों को वर्तमान हालात को देखते हुए सावधानी बरतने और बाहर न निकलने की सलाह दी है।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इज़रायल और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। नियोत होवाव औद्योगिक क्षेत्र इज़रायल का एक प्रमुख केमिकल और औद्योगिक हब है, जहां कई खतरनाक रसायनों का उत्पादन और भंडारण होता है। ऐसे में इस इलाके पर हमला सिर्फ सैन्य ही नहीं बल्कि पर्यावरण और नागरिक सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद संवेदनशील माना जाता है। अब तक इस घटना में किसी बड़े मानवीय नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हालात की गंभीरता को देखते हुए सतर्कता बरती जा रही है।

हाल के दिनों में ईरान, इज़रायल-अमेरिका जंग के हालात और ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। हिजबुल्लाह जैसे ईरान-समर्थित संगठनों और इज़रायल के बीच सीमा पर झड़पें बढ़ी हैं, जबकि इज़रायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों और सहयोगी नेटवर्क को निशाना बनाने की रणनीति अपनाई है।

स्टालिन ने महिलाओं को दो हजार रूपए व लैपटाप का वादा किया

■ **तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके ने चुनाव घोषणा पत्र जारी किया।**

चेन्नई, 29 मार्च। तमिलनाडु में चुनावी बिगुल बज चुका है और इसी के साथ शुरू हो गया है वादों और दावों का सबसे बड़ा मुकाबला। सत्ताधारी पार्टी डीएमके ने मेनिफेस्टो जारी कर दिया है। इसमें महिलाओं को 2,000 हजार रुपए, पेंशन बढ़ाने और लैपटॉप बांटने जैसे लोकलुभावन वादे किए गए हैं।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि इल्लाथु अरसी योजना के तहत महिलाओं को वाशिंग मशीन, ग्राइंडर, टीवी, माइक्रोवेव आदि जैसी अपनी पसंद की चीजें खरीदने के लिए 8000 रुपये दिए जाएंगे। कर न देने वाली सभी महिलाओं को यह सहायता मिलेगी। वे इसे अपने आस-पास की दुकान से खरीद सकती हैं।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में भी बड़े सुधार देखने को मिलेंगे।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के लिए आय की सीमा बढ़ाकर सालाना 5 लाख रुपये कर दी जाएगी। इतना ही नहीं, इसका कवरेज बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिला स्तर से लेकर तालुका स्तर तक के सरकारी अस्पतालों में डायलिसिस की सुविधाओं को दोगुना किया जाएगा।

अमेरिका के सभी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की।

अमेरिका के न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहरों से लेकर ड्रिग्स जैसे छोटे कस्बों तक, लगभग 3,300 से अधिक कार्यक्रम दर्ज किए गए। अधिकांश सभाएं शांतिपूर्ण रहीं, लेकिन लॉस एंजिल्स में झड़पें हुईं, जहां कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा संघीय हिरासत केंद्र के पास वस्तुएं फेंकने के बाद पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि जब लोगों ने तितर-बितर होने से इंकार कर दिया तो गिरफ्तारियां की गईं। वाशिंगटन डीसी में, सैकड़ों लोग लिंकन मेमोरियल से नेशनल मॉल तक मार्च करते हुए गए, उनके हाथों में ''ताज उतारो, मसखरा'' लिखे बैनर थे और वे ''कोई राजा नहीं'' के नारे लगा रहे थे।

हिमाचल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से अंतर-घाटी संपर्क भी प्रभावित हुआ है। पुलिस ने हिमस्खलन, भूस्खलन और अचानक हाईवे बंद होने की आशंका को लेकर अलर्ट जारी किया है। सुबह से ही राज्य के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जिससे मौसम ठंडा हो गया है।

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के कारण तापमान में अचानक गिरावट आई है और दिन के तापमान में और कमी आने की संभावना है। राजस्थान में 31 मार्च तक बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की है।

राजग की सरकार बनने से केरल में विकास तेज होगा- मोदी

■ **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के पलक्कड़ में चुनाव सभा में राज्य में बदलाव की बात कही।**

नई दिल्ली, 29 मार्च। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केरल में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और यह राज्य में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में केरल में राजग की सरकार बनने पर तेज विकास होगा।

केरल के पलक्कड़ में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने वाम दलों के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दोनों गठबंधनों को भ्रष्ट और सांप्रदायिक करार देते हुए कहा कि उनकी राजनीति केवल वोटबैंक तक सीमित है और उन्हें राज्य के विकास की चिंता नहीं है।

प्रधानमंत्री ने कहा, एलडीएफ और यूडीएफ की नीतियां सिर्फ वोटबैंक पॉलिटिक्स पर आधारित हैं। मैं केरलम की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि राजग की सरकार बनने पर राज्य का तेज विकास होगा। यह मोदी की गारंटी है।

उन्होंने कहा, ''केरलम लंबे समय से एलडीएफ और यूडीएफ के बीच फंसा हुआ है, लेकिन अब राज्य में बदलाव का माहौल बन रहा है।'' प्रधानमंत्री के अनुसार, राज्य के युवा, महिलाएं और किसान, अब भाजपा और राजग के प्रति भरोसा जता रहे हैं, जो एक उभरते जनआंदोलन का रूप ले रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एलडीएफ और यूडीएफ के बीच 'बी टीम' को लेकर चल रही बयानबाजी का जिक्र करते हुए कहा कि इससे साफ होता है कि दोनों ही गठबंधन भाजपा को एक मजबूत विकल्प मानने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दोनों दल एक-दूसरे के खिलाफ केवल बयान देते हैं, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं करते।

राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल पर पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है, जो पिछले दस वर्षों में तीन गुना हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पैसा सही दिशा में खर्च नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य में राजग की सरकार बनने पर हर रुपये का हिसाब लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए केंद्र सरकार की नीतियों का उल्लेख किया और कहा कि सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। साथ ही, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विदेशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

छत्तीसगढ़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई।

मुठभेड़ के बाद इलाके की तलाशी लेने पर एक नक्सली का शव हथियार सहित बरामद किया गया। मृत नक्सली की पहचान 5 लाख रुपये के इनामी पीपीसीएम कैडर के प्लाटून नंबर 31 के सेक्शन कमांडर मूचाकी कैलाश के रूप में हुई है। वह पूलनपाड़ गांव, चिंतलनार थाना क्षेत्र का निवासी था।

पुलिस के अनुसार, मूचाकी कैलाश कई बड़ी नक्सली वारदातों में शामिल रहा था, जिनमें नागरिकों की हत्या, सुरक्षाबलों पर हमले और आईईडी विस्फोट की साजिशें शामिल हैं।

वहीं बस्तर रेंज के आईजी सुन्दरराज पट्टिलंगम ने कहा कि माओवादी कैडरों के पास आत्मसमर्पण और पुनर्वास का अवसर अब अंतिम चरण में है। उन्होंने नक्सलियों से अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटें और शांतिपूर्ण जीवन अपनाएं। फिलहाल इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और सुरक्षाबल सतर्क हैं।

अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑनलाइन अमेरिकी न्यूज पोर्टल वाईनेटन्यूज डॉट ने बताया कि यह ईरान के साथ चल रहे युद्ध से जुड़े यूएस सैन्य विस्तार का हिस्सा है। इसमें ऐसी एम्फीबियस सेनाएं शामिल हैं जो समुद्र-आधारित हमले और जमीनी दोनों तरह के ऑपरेशन करने में सक्षम हैं। ऐसी यूनिट्स का इस्तेमाल आमतौर पर तेजी से तैनाती के लिए किया जाता है, जिसमें रणनीतिक जगहों को सुरक्षित करना, लोगों को निकालना या तटीय लक्ष्यों पर संभावित हमले करना शामिल है।

कांग्रेस ने प. बंगाल में 284 उम्मीदवारों की घोषणा की

■ **इस बार कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ रही है तथा उसने वरिष्ठ नेताओं को भी मैदान में उतारा है।**

कोलकाता, 29 मार्च। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए कांग्रेस ने 284 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। यहां कुल 294 विधानसभा सीटें हैं। कांग्रेस पार्टी यहां अकेले ही चुनाव लड़ रही है। हालांकि, अभी 10 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान नहीं किया गया है। इस बार कांग्रेस अपने सीनियर नेताओं को भी विधानसभा चुनाव में उतार रही है। अधीर रंजन चौधरी को लंबे समय बाद विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा गया है। वह लगभग 30 साल बाद विधायक का चुनाव लड़ेंगे। उन्हें बहरामपुर से टिकट दिया गया है। इसके कयास पहले ही लगाए जा रहे थे। मौसम नूर को मालतीपुर से टिकट मिला है। इसके अलावा भी कई सीनियर नेताओं को चुनावी मैदान में उतारा गया है। ममता बनर्जी की भवानीपुर सीट से कांग्रेस ने प्रदीप प्रसाद को टिकट दिया है। वहीं, बीजेपी ने सुवेंदु अधिकारी को ममता के खिलाफ खड़ा किया है। ऐसे में यहां पर ममता बनर्जी, सुवेंदु अधिकारी और प्रदीप प्रसाद के बीच त्रिकोणीय लड़ाई हो सकती है।

अमेरिका ने विदेशी प्रोफेशनल्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ **टी.सी.एस., इंफोसिस, विप्रो व एचसीएल काफी भारतीय प्रोफेशनल्स को अमेरिका में पोस्ट रखते थे। अतः इन कंपनियों को इस रीति-नीति में परिवर्तन करना पड़ेगा।**

जिस पर अमेरिका के तकनीकी और सेवा क्षेत्र लंबे समय से निर्भर हैं।

इस नीतिगत बदलाव का सबसे ज्यादा असर भारतीयों पर पड़ सकता है। करीब 70 प्रतिशत एच-1बी वीज़ा भारतीयों को मिलते हैं, जिनमें से बहुत से लोग आईटी सेवाओं, इंजीनियरिंग और कंसल्टिंग क्षेत्रों में काम करते हैं। अनुमान है कि अमेरिका में एच-1बी वीज़ा पर काम कर रहे 2.8 लाख से अधिक भारतीय पेशेवरों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है। अगर कंपनियों को नए वेतन मानकों को पूरा करना अव्यवहारिक लगता है, तो नौकरी छूटने या वापस लौटने की स्थिति बन सकती है।

इसके दूरगामी प्रभाव भारतीय आईटी कंपनियों, जैसे टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टैक्नॉलजीज़ पर तत्काल हो सकते हैं, जो लंबे समय से एच-1बी कार्यक्रम के जरिए अपने कुशल कर्मचारियों को अमेरिका भेजती रही हैं। अधिक वेतन देने की बाध्यता से लागत बढ़ेगी, जिससे मुनाफे पर असर पड़ सकता है और कंपनियों को अपने बिजनेस मॉडल पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। कंपनियां लागत के दबाव को कम करने के लिए अमेरिका में स्थानीय कर्मचारियों को ज्यादा रखने, ऑटोमेशन बढ़ाने या काम को दूसरे देशों में शिफ्ट करने की दिशा में कदम उठा सकती हैं।

व्यक्तिगत पेशेवरों के लिए इसके प्रभाव और भी गंभीर हैं। कई एच-1बी कर्मचारी मध्यम स्तर की नौकरियों में हैं, जहां उनका वेतन शायद संशोधित न्यूनतम सीमा के अनुसार नहीं हो सकता। इससे स्थिति ऐसी बन सकती है कि केवल बहुत उच्च कौशल वाले या विशिष्ट विशेषज्ञता वाले कर्मचारी ही अमेरिका में काम करने के योग्य रह जाएं, तथा बड़ी संख्या में उम्मीदवार बाहर हो जाएं। भारतीय इंजीनियरों और तकनीकी स्नातकों के लिए अमेरिकन ड्रीम हासिल करना और मुश्किल हो सकता है।

इसका एक व्यापक आर्थिक असर भी हो सकता है। अमेरिका का तकनीकी क्षेत्र पहले से ही आर्टिफिशल इंटैलिजैंस, साइबर सुरक्षा और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी से जूझ रहा है। ऐसे में यह नीति कंपनियों की भर्ती क्षमता को सीमित कर सकती है। जहां इसका उद्देश्य घरेलू नौकरियों की रक्षा करना है, वहीं आलोचकों का कहना है कि इससे नवाचार और प्रतिस्पर्धा पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित हो सकती है। एक तरफ, कुशल पेशेवरों का संभावित ''रिवर्स माइग्रेशन'' (वापसी) देश के टैलेंट पूल को मजबूत कर सकता है, जिससे स्टार्टअप, फिनटैक और डिजिटल सेवाओं जैसे क्षेत्रों को फायदा होगा। दूसरी तरफ, अगर बड़ी संख्या में भारतीय कामगारों को वापस लौटने पर मजबूर होना पड़े, तो विदेश से आने वाली धनराशि (रेमिटेंस) पर असर पड़ सकता है, जो विदेशी मुद्रा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

यह नीति ऐसे समय में अनिश्चितता को और बढ़ाती है, जब वैश्विक स्तर पर पहले से ही भू-राजनीतिक तनाव और बदलती आर्थिक प्राथमिकताओं के कारण लोगों का आना-जाना प्रभावित हो रहा है। विदेश में करियर बनाने की योजना बना रहे छात्रों और युवा पेशेवरों के लिए संदेश साफ है, अमेरिका जाने के अवसर अब सीमित और ज्यादा चयनात्मक होते जा रहे हैं।

अंततः, प्रस्तावित एच-1बी वेतन वृद्धि इमिग्रेशन में सिर्फ एक छोटा-मोटा बदलाव नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि अमेरिका वैश्विक प्रतिभा के साथ अपने संबंधों को नए तरीके से तय कर रहा है। भारतीय पेशेवरों और कंपनियों के लिए यह संकेत है कि उन्हें खुद को बदलते हालात के अनुसार ढालना होगा, चाहे वह नए कौशल सीखना हो, नए बाजारों की तलाश करना हो या अपनी कारोबारी रणनीतियों को नया रूप देना हो।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908